मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 10 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 14 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 65 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▶▶ विदेशी सोशल मीडिया पर अंकुश है जरूरी

इब्राहिम और सारा के साथ कैसा है करीना का रिश्ता, सैफ अली खान ने किया खुलासा ◀◀ 6

धनबाद के शिवम अस्पताल में चार वर्षीय बच्ची की मौत डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप,परिजनों ने किया हंगामा



संवाददाता

धनबादः बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ स्थित शिवम हॉस्पिटल में चार वर्षीय बच्ची की मौत के बाद मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। बच्ची की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का दावा है कि बच्ची को 24 घंटे तक अस्पताल में भर्ती रखने के बावजूद डॉक्टर उसे देखने तक नहीं पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, भेलाटांड़ निवासी अभिलाष महतो ने बुखार की शिकायत होने पर अपनी चार वर्षीय बच्ची को डॉ. आरके सिंह द्वारा संचालित शिवम हॉस्पिटल में भर्ती कराया था।

परिवार के सदस्य पर भी जांच का फोकस

पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि हत्या की वारदात को परिवार के किसी सदस्य ने अंजाम दिया है या इसमें कोई बाहरी व्यक्ति शामिल है। गुणी भुइयां खेती-बारी का काम करता था। सोमवार की रात करीब 12 बजे के बाद परिजनों ने पुलिस को उसकी हत्या की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर थाने ले गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन थाने पहुंचे। ग्रामीणों को आशंका है कि इस वारदात को किसी करीबी ने ही अंजाम दिया है। मृतक के दो बेटे हैं, जो घटना के समय घर में मौजूद थे। इनमें से एक बेटे की शादी हो चुकी है। घटनास्थल पांकी थाना से करीब 25 किलोमीटर दूर है। शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कराया जाएगा।

फिलहाल युवक की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अनुसंधान के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान बच्ची का इलाज डॉक्टर के बजाय एक कंपाउंडर के भरोसे चलता रहा। उन्होंने कई बार फोन कर डॉ. आरके सिंह से बच्ची की जांच करने और उसकी तबीयत देखने का आग्रह किया, लेकिन डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंचे। इस दौरान बच्ची की जांच रिपोर्ट भी परिजनों को नहीं दिखाई गई।

परिजनों का कहना है कि यदि समय पर डॉक्टर बच्ची की जांच कर उचित इलाज करते, तो शायद उसकी जान बच सकती थी। मंगलवार सुबह बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

घटना की सूचना मिलने पर बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित परिजनों को समझाकर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। फिलहाल परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

गिरिडीह बराकर नदी के पास मिला नवजात का शव, इलाके में सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

गिरिडीहः जिले के सरिया थाना क्षेत्र में बराकर नदी के पास एक नवजात का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं।

स्थानीय लोगों की सूचना पर सरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात का शव नदी के पास कैसे पहुंचा और इसके पीछे क्या कारण है।

इधर, घटना के बाद सरिया और बगोदर क्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों और अल्ट्रासाउंड सेंटरों की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, फिलहाल इस मामले में किसी क्लीनिक या अल्ट्रासाउंड सेंटर की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है।

नवजात की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव को वहां किसने छोड़ा, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।



भुरकुंडा में बंद पड़ी खदान के पास पेड़ से लटका मिला युवक का शव, इलाके में सनसनी

रामगढ़ः जिले के भुरकुंडा न्यू बैरक स्थित बंद पड़ी खदान के समीप सोमवार रात एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए।

मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है। वह भुरकुंडा कोयलांचल क्षेत्र के पूर्व मुखिया द्वारिका करमाली के पुत्र थे। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर भुरकुंडा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।



पलामू में धारदार हथियार से काटकर व्यक्ति की हत्या, पत्नी फरार

पलामूः जिले के पांकी थाना क्षेत्र के ढूब गांव में एक व्यक्ति की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गुणी भुइयां के रूप में हुई है। घटना के बाद से उसकी पत्नी लापता है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी।

पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गुणी भुइयां की धारदार हथियार से हत्या की गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतक की पत्नी के लापता होने की भी जानकारी मिली है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ करेगी, जिसके बाद घटना के संबंध में और जानकारी सामने आ सकेगी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

बोकारोः ताराटांड़ में सियार का आतंक, पांच लोगों पर किया हमला, तीन गंभीर, हायर सेंटर रेफर

बोकारोः नावाडीह प्रखंड के ताराटांड़ गांव में सोमवार को एक सियार के हमले से पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावाडीह पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। तीन लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को अचानक एक सियार ने गांव में लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान मेघलाल महतो (74), बसंती देवी (55), वृद्धाश्रम महतो (54), बालेश्वर महतो (31) और अशोक महतो (45) घायल हो गए। सियार के हमले के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। तीन घायलों की स्थिति गंभीरः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावाडीह में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद तीन घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हालांकि, रेफर किए गए घायलों के नाम और उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना के बाद ग्रामीणों में दोबारा सियार के हमले की आशंका को लेकर भय बना हुआ है।

पांच साल बाद पत्नी को विदा कराने ससुराल आया था दामाद, पेड़ से लटका मिला शव

चाकुलियाः पूर्वी सिंहभूम जिले के श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र के ठाकुरबाड़ी गांव में सोमवार को एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के बलियाबेड़ा थाना क्षेत्र के ढेरगड़िया गांव निवासी गौतम महाकुड़ (32) के रूप में हुई है। वह पांच साल से मायके में रह रही पत्नी को मनाने और अपने साथ ले जाने के लिए ससुराल आया था।



घटना की सूचना मिलने पर श्यामसुंदरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। गौतम बांदना पर्व के अवसर पर अपने ससुर माखन नायक के घर ठाकुरबाड़ी आया था।

पत्नी के जंगल जाने से था दुखीः मिली जानकारी के अनुसार, गौतम की पत्नी पिछले पांच वर्षों से मायके में रह रही थी और ससुराल जाने को तैयार नहीं थी। रविवार को गौतम उसे वापस ले जाने के लिए ससुराल पहुंचा था। सोमवार को वह पत्नी को अपने साथ ले जाना चाहता था, लेकिन पत्नी उसकी बात नहीं मानी और लकड़ी लाने जंगल चली गई। बताया जाता है कि इस बात से गौतम काफी दुखी था। इसी बीच उसकी सास ने उसे साबुन देते हुए स्वर्णरेखा नदी में स्नान कर आने और फिर खाना खाने को कहा। इसके बाद गौतम दोपहर में नदी में स्नान करने के लिए निकला, लेकिन वह पेड़ की डाली से फंदे के सहारे लटका मिला।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री में बड़ा हादसा, ईटीपी टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

चेन्नईः तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के होसुर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के संयंत्र में सोमवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। फैक्ट्री परिसर में वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) के टैंक की सफाई करने उतरे तीन संविदा कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, टैंक के भीतर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण यह हादसा हुआ।

टैंक में सफाई के दौरान बेहोश हुए मजदूरः जानकारी के अनुसार, तीनों मजदूर ईटीपी टैंक में जमा कीचड़, गाद और रासायनिक अपशिष्ट की सफाई करने नीचे उतरे थे। बताया जाता है कि टैंक के भीतर ऑक्सीजन की कमी थी और जहरीली गैस जमा थी। इसके संपर्क में आते ही तीनों मजदूर बेहोश होकर टैंक में गिर पड़े।

बाहर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने उन्हें बाहर निकालकर होसुर के नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया।

तीनों मृतकों की हुई पहचानः मृतकों की पहचान होसुर निवासी 30 वर्षीय कावेरी, धर्मपुरी जिले के 28 वर्षीय बी. अकमल और धर्मपुरी निवासी 28 वर्षीय एम. सारथी कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए कृष्णागिरी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से रखे गए थे मजदूरः प्रशासनिक जांच में पता चला है कि तीनों कर्मचारी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में सीधे नियुक्त नहीं थे, बल्कि नाल्को नामक आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से ठेके पर सफाई कार्य के लिए रखे गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर कृष्णागिरी के जिला कलेक्टर सी. दिनेश कुमार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फैक्ट्री पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जांच में फैक्ट्री में सुरक्षा उपकरणों, गैस डिटेक्टर और बचाव संबंधी प्रोटोकॉल की पड़ताल की जा रही है।

लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्रवाईः राज्य मंत्री विरुधाई मगल कीर्तना ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा और जीवन की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और सुरक्षा में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की जहरीली हवा पर एम्स के डॉक्टर की चेतावनी, बोले- हैरान हूं कि हम जिंदा हैं

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। जहरीली हवा और प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने आम लोगों के साथ-साथ चिकित्सा विशेषज्ञों की चिंता भी बढ़ा दी है। चांदनी चौक और तालकटोरा गार्डन सहित शहर के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के खतरनाक स्तर तक पहुंचने की बात सामने आई है। इस बीच एम्स के वरिष्ठ चिकित्सकों ने दिल्ली की आबोहवा को लेकर गंभीर चेतावनी दी है।

चिकित्सकों का कहना है कि मौजूदा प्रदूषण का स्तर मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। वहीं, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिबंधों के बावजूद इस बार दीपावली पर दिल्ली में करीब 300 करोड़ रुपये के पटाखों की बिक्री हुई।

हर सांस के साथ शरीर में पहुंच रहा जहरीला प्रदूषणः एम्स के पल्मोनोलॉजी विभाग के डॉक्टर विजय हड्डा ने दिल्ली की



स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति औसतन एक मिनट में 20 बार सांस लेता है और हर सांस के साथ करीब आधा लीटर हवा फेफड़ों तक पहुंचती है। ऐसे में पूरे दिन में जहरीली हवा और रासायनिक तत्वों की कितनी मात्रा शरीर में प्रवेश कर रही होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी होती है कि लोग ऐसी हवा में जीवित कैसे हैं। मौजूदा वातावरण इंसानी फेफड़ों और स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है।

गले में खराश और आंखों में जलन शुरूआती लक्षणः विशेषज्ञों के अनुसार, सांस लेने में परेशानी, गले में सूखापन, बार-बार गला साफ करने की जरूरत, नाक बंद होना और आंखों में जलन प्रदूषण के शुरूआती लक्षण हैं। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) फेफड़ों के जरिए रक्तप्रवाह में पहुंचकर हृदय, मस्तिष्क और किडनी समेत शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकते हैं। इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है।

दिल्ली में 300 करोड़ के पटाखे बिकेः चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार दीपावली पर दिल्ली में 300 करोड़ रुपये से अधिक के पटाखों की बिक्री हुई। व्यापारियों का दावा है कि पिछले वर्ष की तुलना में पटाखों की मांग में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। कई दुकानों पर त्योहार से एक दिन पहले ही स्टॉक खत्म हो गया था।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के मुताबिक, निगरानी केंद्रों में ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया।

24 केंद्रों पर एक्यूआई 300 के पार : केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत एक्यूआई करीब 299 रहा। वहीं, दिल्ली-एनसीआर के 59 निगरानी केंद्रों में से 24 पर एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया गया। 31 केंद्रों पर हवा खराब श्रेणी में रही। पूसा में एक्यूआई 385 तक पहुंच गया। इससे राजधानी के कई इलाकों में लोगों को जहरीली धुंध के बीच सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

कार की टक्कर से एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल



खूंटी : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर कामडारा थाना क्षेत्र के टुरुण्डु गांव के पास मंगलवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, टुरुण्डु निवासी 55 वर्षीय विश्वनाथ स्वांसी अपनी 50 वर्षीय पत्नी सुमित्रा देवी और छह वर्षीय पोते आयुष्मान स्वांसी को लेकर दोपहिया वाहन से उसे स्कूल छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान रांची से सिमडेगा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने पीछे से उनके वाहन में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोपहिया वाहन कार के नीचे फंस गया और उस पर सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में तीनों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, कार में सवार दोनों लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने घायलों की मदद की। लोगों ने कामडारा पुलिस को सूचना दी और तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

सूचना मिलते ही कामडारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पलामू के रेहला में डीजे बजाने को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प



पलामू : जिले के रेहला थाना क्षेत्र के रकसाहा गांव में लक्ष्मी पूजा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया। सोमवार रात करीब नौ बजे शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। स्थिति संभालने पहुंची पुलिस टीम पर भी भीड़ ने पथराव कर दिया। इस घटना में चार पुलिस जवान घायल हो गए, जबकि पुलिस का एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने आत्मरक्षा में चार राउंड फायरिंग की।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात डीजे बजाने समेत अन्य कारणों को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ। इसकी सूचना मिलने पर रेहला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराने का प्रयास किया। इसी दौरान आक्रोशित भीड़ ने पुलिस टीम को घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला शुरू कर दिया।

अचानक हुए पथराव में चार पुलिस जवान घायल हो गए। पुलिस के एक वाहन को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में चार राउंड फायरिंग की। झड़प के दौरान कुछ ग्रामीणों के भी घायल होने की सूचना है, हालांकि उनकी संख्या और पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ के अनुसार, दो पक्षों के बीच विवाद की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया। मामले में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना के बाद इलाके में स्थिति फिलहाल शांत है। एहतियात के तौर पर पुलिस निगरानी कर रही है। विवाद शांत होने के बाद ग्रामीणों ने प्रतिमा का विसर्जन किया।

भाजपा का 18 नवंबर को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल बंद का आह्वान

रांची : निशा भगत को न्याय दिलाने एवं पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने के लिए भाजपा एसटी मोर्चा आदिवासी समाज के साथ मिलकर आर पार की लड़ाई लड़ेगा। एसटी मोर्चा इस मामले को आदिवासी समाज की अस्मिता, सम्मान और न्याय से जुड़ा गंभीर विषय मानता है। यह बातें भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो ने कही।

श्री टोप्पो ने बताया कि निशा भगत मामले को लेकर एसटी मोर्चा ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। 10 नवंबर को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सातों संगठनात्मक जिलों रांची महानगर, राँची पूर्वी, राँची पश्चिमी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी में एसटी मोर्चा द्वारा मशाल जुलूस, 11 नवंबर को आदिवासी बहनों के द्वारा कैंडल मार्च तथा 17 नवंबर को सभी संगठनात्मक मंडलों में एसटी मोर्चा द्वारा मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं, 18 नवंबर को एसटी मोर्चा के द्वारा संपूर्ण दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल बंद का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को संरक्षण देने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले की सीबीआई जांच की अनुशंसा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होने तक एसटी मोर्चा का संघर्ष जारी रहेगा।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि एसटी मोर्चा ने 7 नवंबर को राज्य के सभी 595 संगठनात्मक मंडलों में एक साथ प्रदर्शन एवं पुतला दहन कर निशा भगत मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कहा कि निशा भगत का मामला अत्यंत गंभीर है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी आवश्यक है। आदिवासी समाज की बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। इस मामले में किसी भी प्रकार की लीपापोती या पक्षपात की आशंका को समाप्त करने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। एसटी मोर्चा आदिवासी समाज के न्याय और अधिकारों की लड़ाई में पूरी मजबूती से साथ खड़ी है। भाजपा प्रवक्ता आरती कुजूर ने कहा कि निशा भगत को न्याय दिलाने की लड़ाई केवल एक परिवार या संगठन की लड़ाई नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ा सवाल है। महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने आदिवासी महिलाओं, सामाजिक संगठनों और युवाओं से इस आंदोलन में एकजुट होकर भागीदारी निभाने की अपील की।

नेताओं ने आदिवासी समाज के प्रबुद्धजनों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं महिलाओं से आंदोलन को समर्थन देने तथा 18 नवंबर के बंद को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने की अपील की।

बदलेगा मौसम का मिजाज, आज गरज-चमक के साथ बारिश के आसार, गिरेगा पारा

13 नवंबर तक 16 डिग्री पहुंचेगा पारा

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में धीरे-धीरे ठंड का असर बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इससे लोगों को ठिठुरन महसूस होने लगी है और वे गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। विभाग ने आज सोमवार को रांची में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बिजली कड़कने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

आज बारिश और वज्रपात के आसारः मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, सोमवार को रांची में मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इस दौरान गरज के साथ वज्रपात होने और शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश के बाद रात के तापमान में गिरावट आने से ठंड का असर बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और वज्रपात से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।



11 और 12 नवंबर को सुबह छाया रहेगा कोहराः बारिश के बाद 11 नवंबर को रांची में सुबह के समय कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ आसमान में आंशिक रूप से बादल रह सकते हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

वहीं, 12 नवंबर को भी सुबह कोहरा और धुंध छा सकती है। इसके बाद दिनभर आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह के समय कोहरे के कारण वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत होगी।

13 नवंबर को 16 डिग्री तक गिरेगा न्यूनतम तापमानः मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, 13 नवंबर को भी सुबह के समय धुंध और कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, दिन में मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 27 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 16 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान में गिरावट से सुबह और रात के समय ठंड का एहसास बढ़ेगा। ऐसे में सुबह जल्दी घर से निकलने वाले लोगों को गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

राशन से धोती-साड़ी तक, झारखंड में छह माह के भीतर होगा सरकारी योजनाओं का सोशल ऑडिट

खाद्य सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जांचेगी सरकार, लाभुकों से सीधे पूछे जायेंगे सवाल, अनियमितता मिलने पर तय होगी जवाबदेही

संवाददाता

रांची : झारखंड में खाद्य सुरक्षा योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) करायेगी। इस पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य के प्रत्येक जिले से कम से कम एक प्रखंड या पंचायत का चयन किया जायेगा।

चयन के दौरान अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) बहुल क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जायेगी, ताकि सभी वर्गों के लाभुकों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव राजेश शर्मा की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सोशल ऑडिट सोसाइटी के साथ बैठक हो चुकी है। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत संचालित योजनाओं के अलावा राज्य की खाद्य सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों के सामाजिक अंकेक्षण पर चर्चा की गयी।

कई योजनाओं का एक साथ होगा सोशल ऑडिटः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के



तहत संचालित केंद्र प्रायोजित योजनाओं, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, पीवीटीजी डाकिया योजना और सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना सहित कई योजनाओं का संयुक्त रूप से सामाजिक अंकेक्षण कराया जायेगा।

इन योजनाओं के लाभुकों की संख्या और स्वरूप में समानता को देखते हुए एक संयुक्त प्रश्नावली और सर्वेक्षण का प्रारूप तैयार किया जायेगा। सामाजिक अंकेक्षण के लिए पर्याप्त संख्या में सर्वेयर उपलब्ध कराये जायेंगे। हालांकि, मुख्यालय स्तर पर मानवबल की कमी है, जिसे दूर करने के लिए जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जायेगी। आवश्यकता पड़ने पर अर्थशास्त्रियों और सांख्यिकीविदों की भी मदद ली जायेगी।

इसके अलावा विभागीय अधिकारियों, जिला एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, गोदाम प्रबंधकों और जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों की संयुक्त कार्यशाला आयोजित की जायेगी। विभागीय सचिव ने पूरे कार्य का वित्तीय आकलन कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। सोशल ऑडिट पर होने वाला खर्च योजना के तहत आवंटित राशि से किया जायेगा।

सोशल ऑडिट में लाभुकों से पूछे जायेंगे ये सवालः सामाजिक अंकेक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा योजनाओं के लाभुकों से सीधे बातचीत कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली जायेगी। इसमें मुख्य रूप से यह जांच की जायेगी कि लाभुकों को निर्धारित मात्रा में समय पर खाद्यान्न मिल रहा है या नहीं।

इसके अलावा जन वितरण प्रणाली की दुकानों के खुलने का समय, राशन वितरण में पारदर्शिता, खाद्यान्न की गुणवत्ता और किसी तरह की अनियमितता की भी पड़ताल होगी। झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, पीवीटीजी डाकिया योजना और सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना के लाभुकों को मिलने वाले लाभ का भी सत्यापन किया जायेगा।

सर्वेक्षण के दौरान लाभुकों की शिकायतें और सुझाव भी दर्ज किये जायेंगे। सामाजिक अंकेक्षण से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर योजनाओं में मौजूद कमियों की पहचान की जायेगी और संबंधित विभागों एवं अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में मदद मिलेगी। सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

खूंटी जेल के पीछे धान के खेत में मिला सफाईकर्मी का शव, जांच मे जुटी पुलिस

संवाददाता

खूंटी : खूंटी थाना क्षेत्र स्थित जिला जेल के पीछे मंगलवार सुबह धान के खेत में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान खूंटी नगर पंचायत के सफाईकर्मी जॉन विजय बालमुचू के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, मृतक शहर के अमृतपुर मोहल्ले के निवासी थे। उनके भाई संजय बालमुचू ने बताया कि जॉन विजय सोमवार को त्योहार के बाद अपने भाई से मिलने कदमा गए थे। देर शाम वह वहां से घर लौटने के लिए खेत के रास्ते निकले थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे।

मंगलवार सुबह कुछ ग्रामीण घास काटने के लिए खेत की ओर गए थे। इसी दौरान उन्होंने जेल के पीछे धान के खेत में बने एक गड्ढे में जॉन विजय का शव देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल खूंटी थाना पुलिस को सूचना दी। परिजनों के मुताबिक, जॉन विजय तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। वह खूंटी नगर पंचायत में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत थे। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि देर शाम घर लौटने के दौरान अंधेरे में रास्ता भटकने या असंतुलित होने के कारण वह खेत के गड्ढे में गिर गए होंगे। हालांकि, उनकी मौत के वास्तविक कारणों का अब तक खुलासा नहीं हुआ है।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की है। पुलिस का कहना है कि मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

बोकारो के सेक्टर-3सी में झोपड़ी से मिला व्यक्ति का शव, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत



बोकारो : बोकारो सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर-3सी में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रंजीत कुमार के रूप में हुई है। उनका शव एक झोपड़ी से बरामद किया गया। घटना की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सेक्टर-3सी स्थित एक झोपड़ी में व्यक्ति का शव देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हत्या, आत्महत्या और हादसे समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजीव रंजन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बीएयू के पशुपतिनाथ मंदिर में महाआरती

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में प्रत्येक सोमवार की परम्परा के अनुरूप 9 नवंबर को महाआरती का आयोजन किया गया। भगवान शिव और मन्दिर में प्रतिष्ठित अन्य देवी-देवताओं को चन्दन, पुष्प, दीप, फल, नैवेद्य अर्पित कर विधिवत पूजन किया गया। मन्दिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान प्रारम्भ किया जिसका समापन रुद्राष्टकम के वाचन, शान्ति मंत्र और क्षमा प्रार्थना मंत्र के साथ हुआ। मन्दिर परिसर ओम नमः शिवाय और जय जय भोले के जयघोष से गुंजायमान रहा। महाआरती में डॉ वीणा शर्मा, डॉ शेखर साहू, डॉ अल्पना दूबे, भावना दूबे, डॉ विनोद गुप्ता, सीता देवी, उत्तम देशमुख, अवध बिहारी लाल, कविता देशमुख, अमलेश चन्द्र मिश्र, रीना गोस्वामी, शताक्षी पाण्डेय, यशोहरि पाण्डेय, इन्द्रनाथ मुंडा, रवीन्द्र ठाकुर आदि लोग शामिल थे।

तीन साल से बंद जलमीनार, बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण

बलहा टोली का जलमीनार एक साल से खराब, रामलीला मैदान स्थित जलमीनार का समरसेबल और स्टार्टर भी गायब, विभाग ने जल्द मरम्मत का दिया भरोसा

संवाददाता

लोहरदगा : सरकार की जल नल योजना के तहत ग्रामीणों को घर के समीप स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जलमीनारों का निर्माण कराया गया है, लेकिन लोहरदगा जिले के पेशरार प्रखंड की देवदरिया पंचायत में यह योजना अपने उद्देश्य को पूरा करने में विफल साबित हो रही है। पंचायत के खरचा गांव और आसपास की टोलियों में लगे अधिकांश जलमीनार लंबे समय से खराब पड़े हैं। स्थिति यह है कि बलहा टोली का जलमीनार एक साल से, जबकि खरचा रामलीला मैदान में लगा जलमीनार पिछले तीन वर्षों से बंद है। इससे ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

कहीं एक तो कहीं तीन साल से बंद हैं जलमीनारः जानकारी के अनुसार, पंचायत में जल नल योजना के तहत संवेदक सोनू साहू द्वारा जलमीनारों का निर्माण कराया गया था। इनके माध्यम से ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जानी थी। हालांकि, निर्माण के कुछ समय बाद ही कई जलमीनार खराब हो गये और लंबे समय से उनकी मरम्मत नहीं करायी गयी।

उपमुखिया आशीष प्रसाद ने बताया कि खरचा गांव के बलहा टोली में लगा जलमीनार पिछले एक साल से खराब है। वहीं,



खरचा रामलीला मैदान स्थित जलमीनार तीन साल से बंद पड़ा है। उन्होंने बताया कि रामलीला मैदान के जलमीनार का समरसेबल और स्टार्टर भी खोलकर ले जाया गया है।

गंदा पानी पीने को मजबूर हैं ग्रामीण

: ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के अधिकांश टोलों में लगे जलमीनारों की स्थिति ऐसी ही है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के साथ-साथ पंचायत स्तर पर लगाये गये जलमीनार भी खराब पड़े हैं। जलमीनारों के बंद रहने से लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही और निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। कई लोग दूसरे जलस्रोतों से पानी लाने और उसका इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने पंचायत के सभी खराब जलमीनारों की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि उन्हें स्वच्छ पेयजल मिल सके।

विभाग ने जल्द मरम्मत कराने का दिया भरोसाः इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता अमित ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र में खराब पड़े जलमीनारों को दुरुस्त कराने की प्रक्रिया चल रही है। खराब जलमीनारों की सूची तैयार कर मुख्यालय भेज दी गयी है। इनकी मरम्मत पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से करायी जायेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही खराब जलमीनारों को ठीक करा दिया जायेगा।

छठ पर बिहार जाने वालों की बढ़ी भीड़, रांची से रोजाना 200 बसों का परिचालन, फिर भी सीटें फुल

यात्रियों की सुविधा के लिए 10 अतिरिक्त बसें चलाई जा रहीं, 700 से 900 रुपये तक है किराया

संवाददाता

रांचीः छठ महापर्व को लेकर बिहार जाने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। बिरसा मुंडा बस टर्मिनल, कांटाटोली से बिहार के विभिन्न शहरों के लिए रोजाना करीब 200 बसों का परिचालन हो रहा है। यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण बसों की सीटें पहले से ही फुल हो जा रही हैं। खासकर नवादा समेत बिहार के अन्य शहरों के लिए यात्रियों को सीट बुक कराने में परेशानी हो रही है। स्थिति यह है कि यात्रियों को यात्रा से एक दिन पहले ही टिकट बुक कराना पड़ रहा है।



बसों का परिचालन रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच शुरू हो जाता है। रांची से मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, आरा, औरंगाबाद, नवादा समेत बिहार के कई शहरों के लिए बसें उपलब्ध हैं। इनमें चंद्रलोक, साध्वी, पृथ्वीरथ, महौली, तेजस और भोले शंकर सहित कई बसें शामिल हैं। हाजीपुर के लिए रौशन और आरा के लिए तिवारी बस का भी परिचालन हो रहा है। छठ पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बस संचालकों ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की है।

700 से 900 रुपये तक है किरायाः बिहार जाने वाली बसों में यात्रियों को एसी और स्लीपर की सुविधा मिल रही है। एसी बस का किराया 800 रुपये, स्लीपर का 700 रुपये और लोअर स्लीपर का किराया 900 रुपये निर्धारित है।

छठ के लिए 10 अतिरिक्त बसें चलाई जा रहीं: बस एजेंट मुन्ना खान ने बताया कि छठ पूजा को देखते हुए 10 अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। इन बसों में करीब 45 सीटें उपलब्ध हैं। वहीं, श्री श्यामराम रथ के एजेंट ने बताया कि यात्रियों की मांग को देखते हुए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जा रहा है। सीटों की उपलब्धता कम होने के कारण यात्रियों को यात्रा से एक दिन पहले ही बुकिंग करानी पड़ रही है।

बसों के टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से बुक किए जा सकते हैं। इसके लिए अग्रिम राशि जमा करनी होगी। अधिक जानकारी और टिकट बुकिंग के लिए यात्री बस काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

न्यू फ्रेंड्स क्लब पूजा पंडाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, 12 नवंबर को होगा मां का विसर्जन

खिचड़ी का भोग अर्पित कर हुई आरती, 11 नवंबर को खीर भोग और जागरण का आयोजन

संवाददाता

रांचीः राजधानी में काली पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। शहर के विभिन्न इलाकों में आकर्षक पूजा पंडालों का निर्माण कर मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। सुबह से देर शाम तक पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। भक्त कतारबद्ध होकर मां काली के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

पिस्कामोड़ स्थित न्यू फ्रेंड्स क्लब की ओर से इस वर्ष भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है। क्लब के रूपेश कुमार ने बताया कि पूजा के दौरान मां काली को खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया। सुबह पुजारी अशोक बाबा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती कराई।



उन्होंने बताया कि 11 नवंबर को मां को खीर का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके साथ ही जागरण का आयोजन भी होगा। मां काली की प्रतिमा का विसर्जन 12 नवंबर को कांके डैम स्थित ओझा मार्केट के समीप किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष अभिषेक राय, सचिव रूपेश साहनी, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र रजक, कार्यकारी अध्यक्ष ऋषिकेश सिंह समेत क्लब के अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जवाहर विद्या मंदिर में जेवीएम एलुमनाई एसोसिएशन के कार्यालय का उद्घाटन, 101 पाठ्यपुस्तकों का वितरण

27 दिसंबर को आयोजित होगा वार्षिक एलुमनाई पुनर्मिलन एवं कार्निवल *उमंग 2026*

मेट्रो रेज

रांचीः जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली परिसर में जेवीएम एलुमनाई एसोसिएशन के कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बीएन झा, विद्यालय प्रबंधन के सदस्य, वरिष्ठ शिक्षक एवं विभिन्न बैचों के प्रतिष्ठित पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर की गई। यह कार्यालय विद्यालय और पूर्व विद्यार्थियों के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा एसोसिएशन की गतिविधियों को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।



इस अवसर पर प्रमुख पूर्व विद्यार्थियों में चंद्रकांत रायपत, मणि मेखला, सत्या एवं डॉ. मोती प्रसाद सहित कई वरिष्ठ पूर्व विद्यार्थी मौजूद रहे। शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में पहलः समारोह के दौरान जेवीएम एलुमनाई एसोसिएशन ने विद्यालय के सहयोग से जरूरतमंद संस्थाओं एवं विद्यार्थियों के उपयोग के लिए 101 पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया। यह पहल शिक्षा के प्रसार, विद्यार्थियों की सहायता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति एसोसिएशन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से उपलब्ध कराया गया यह कार्यालय एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होगा। यहां वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मेंटरिंग कार्यक्रम, पूर्व विद्यार्थियों के अतिथि व्याख्यान, संवाद सत्र, सामुदायिक सेवा गतिविधियां, एलुमनाई रजिस्टर का संधारण एवं नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी।

27 दिसंबर को होगा उमंग 2026 का आयोजनः जेवीएम एलुमनाई एसोसिएशन अपने वार्षिक पुनर्मिलन एवं कार्निवल उमंग 2026 की तैयारियों में जुटा है। इसका आयोजन रविवार, 27 दिसंबर 2026 को जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली परिसर में प्रस्तावित है। एसोसिएशन ने सभी बैचों के पूर्व विद्यार्थियों से आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

एसोसिएशन की सदस्यता विद्यालय के सभी पूर्व विद्यार्थियों के लिए खुली है। किसी भी बैच के पूर्व विद्यार्थी, जिन्होंने विद्यालय में कितने भी वर्षों तक अध्ययन किया हो, इससे जुड़कर इसके उद्देश्यों एवं गतिविधियों में योगदान दे सकते हैं।

सामाजिक सरोकारों के साथ डिजिटल पहचान की तैयारीः जेवीएम एलुमनाई एसोसिएशन एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास है। एसोसिएशन ने हाल ही में विद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की थी।

एसोसिएशन जल्द ही अपनी आधिकारिक वेबसाइट शुरू करने जा रहा है। इसके माध्यम से पूर्व विद्यार्थियों को नेटवर्किंग, सदस्यता पंजीकरण, सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं आपसी सहभागिता के लिए डिजिटल मंच उपलब्ध होगा।

एलुमनाई कार्यालय का उद्घाटन विद्यालय और पूर्व विद्यार्थियों के बीच आजीवन जुड़ाव, सहयोग एवं सेवा की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एसोसिएशन का उद्देश्य विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में निरंतर योगदान देना है।

मेधा डेयरी के उत्पादों की बढ़ी मांग, प्रतिदिन ढाई लाख लीटर दूध की बिक्री

गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता : राजेश गुप्ता

मेट्रो रेज

रांचीः द झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन द्वारा संचालित मेधा डेयरी के उत्पादों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रतिदिन लगभग ढाई लाख लीटर दूध की बिक्री हो रही है। मेधा डेयरी की दूध की विभिन्न किस्मों को उपभोक्ताओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

यह जानकारी झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन के प्रबंध निदेशक राजेश गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि



बाजार में उपलब्ध अन्य ब्रांडों की तुलना में मेधा डेयरी के उत्पादों की बिक्री में संतोषजनक वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मेधा डेयरी के दूध की विभिन्न किस्मों में मेधा डीटीएम, मेधा टोंड मिल्क, मेधा स्टैंडर्ड शक्ति, मेधा शक्ति स्पेशल और मेधा स्टैंडर्ड मिल्क शामिल हैं। इन उत्पादों को ग्राहक काफी पसंद कर रहे हैं।

राजधानी रांची में मेधा डेयरी के 33 बूथ संचालित हैं, जहां से प्रतिदिन औसतन ढाई लाख लीटर दूध की बिक्री होती है। वहीं, राज्य के किसानों से प्रतिदिन लगभग तीन लाख लीटर दूध प्राप्त किया जाता है। दूध के अलावा मेधा डेयरी के अन्य उत्पादों जैसे मिष्टी दही, खीर, पनीर, लस्सी, पेड़ा, घी, गुलाब जामुन, रबड़ी, खोवा और रागी लड्डू की मांग भी बढ़ी है।

राजेश गुप्ता ने बताया कि जल्द ही रांची के अलावा झारखंड के अन्य प्रमुख शहरों में भी मेधा डेयरी के प्लांट स्थापित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को हरसंभव सहयोग देना और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराना प्रबंधन की प्राथमिकता है।

शराब के नशे में विवाद के बाद धारदार हथियार से हमला, रस्सी से गला घोंटकर बिट्टू सिंह की हत्या

धुर्वा हत्याकांड का खुलासा, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में दो दिन पहले देर रात हुई मृत्युंजय सिंह उर्फ बिट्टू सिंह की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी धुर्वा और हिंदपीढ़ी इलाके के रहने वाले हैं।

पुलिस अनुसंधान में सामने



आया है कि घटना के समय दोनों आरोपियों ने अत्यधिक शराब पी रखी थी। शराब पीने के बाद हुए विवाद में दोनों ने मिलकर मृत्युंजय सिंह उर्फ बिट्टू सिंह पर धारदार हथियार से हमला किया। इसके बाद रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद से ही धुर्वा थाना पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी।

इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या के पीछे के कारणों और घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों का पता लगाया जा सके।

छठ पर क्रिसमस की तर्ज पर सजें रांची के चौक-चौराहे श्री महावीर मंडल ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

प्रमुख छठ घाटों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा और अपर बाजार की आठ जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग

संवाददाता

रांचीः पूर्व मंत्री एवं श्री महावीर मंडल के शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर छठ महापर्व के अवसर पर राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाने की मांग की है। उन्होंने प्रमुख छठ घाटों पर छठव्रतियों और श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने तथा जर्जर सड़कों की जल्द मरम्मत कराने का भी आग्रह किया है।

शंकर प्रसाद ने पत्र में कहा है कि झारखंड सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर रांची शहर में आकर्षक विद्युत सजावट की जाती है। यह सराहनीय पहल है। इसी तर्ज पर छठ महापर्व के दौरान भी राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों, सड़कों और धार्मिक स्थलों को रोशनी से



सजाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छठ देश के प्रमुख लोकआस्था के पर्वों में शामिल है और झारखंड की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी पर्वों को समान सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रमुख छठ घाटों पर हेलीकॉप्टर से छठव्रतियों और श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने की मांग की है।

अपर बाजार की आठ सड़कों की स्थिति चिंताजनकः पत्र में शहर की जर्जर सड़कों का मुद्दा भी उठाया गया है। शंकर प्रसाद ने विशेष रूप से अपर बाजार क्षेत्र की जालान रोड, महावीर चौक, श्रद्धानंद रोड, मैकी रोड, काली बाबू स्ट्रीट, आर्यपुरी, शिवपुरी और इंद्रपुरी की सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के दौरान व्रती महिलाएं और पुरुष नंगे पांव कई किलोमीटर की दूरी तय कर घाटों तक पहुंचते हैं। ऐसे में टूटी और जर्जर सड़कों के कारण उन्हें काफी परेशानी होती है। चोट लगने की आशंका भी बनी रहती है। इसलिए पर्व से पहले सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए।

शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री से जनहित और धार्मिक आस्था से जुड़े इन मुद्दों पर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव, रांची उपायुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी और नगर आयुक्त को भी भेजी गई है।

12 से 15 नवंबर तक हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस समेत तीन ट्रेनों का बदलेगा परिचालन

संवाददाता

रांचीः रांची रेल मंडल से चलने वाली तीन ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा. रेलवे ने इसकी सूचना जारी कर यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी है.रेलवे के अनुसार, 12 और 13 नवंबर को ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस आद्रा स्टेशन तक ही चलेगी. आद्रा और हटिया के बीच इसका परिचालन रद्द रहेगा. वहीं, 12 नवंबर को ट्रेन



संख्या 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी. यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी से नहीं जाएगी.

ट्यूशन से लौट रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, पुलिस की शुरूआती कार्रवाई पर उठे सवाल

परिजनों का आरोप - बारी-बारी से दुष्कर्म के बाद मारपीट कर सड़क किनारे छोड़ा, पहले छेड़छाड़ की प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

रांचीः रातू थाना क्षेत्र में ट्यूशन से घर लौट रही 18 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का आरोप सामने आया है। घटना 7 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़िता के अनुसार, अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ अज्ञात युवकों ने उसे रास्ते में घेर लिया और उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गई। बाद में उसका भाई उसे सड़क किनारे बेहोशी की हालत में मिला।

इस मामले में पुलिस की शुरूआती कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़िता के आवेदन पर पुलिस ने पहले अज्ञात युवकों के खिलाफ छेड़छाड़ की प्राथमिकी दर्ज की थी। मोबाइल बंद होने पर भाई को हुई अनहोनी की आशंकाः पीड़िता इंटर की छात्रा है। 7 नवंबर को वह किसी काम से पंडरा गई थी। लौटने में उसे शाम हो गई। घर पहुंचने से पहले वह मोबाइल पर अपने भाई से बात कर रही थी। इसी दौरान आरोप है कि कुछ युवकों ने पीछे



से उस पर हमला कर दिया।

आरोपियों ने उसकी आंखों और मुंह पर कपड़ा बांध दिया और उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पीड़िता ने विरोध करते हुए एक युवक को दांत काट लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गई।

उधर, बातचीत के दौरान अचानक मोबाइल बंद हो जाने पर भाई को किसी अनहोनी की आशंका हुई। वह दौड़कर सड़क की ओर पहुंचा, जहां बहन बेहोशी की हालत में मिली। स्थानीय लोगों की मदद से उसे घर लाया गया। होश आने पर छात्रा ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद 8 नवंबर को परिजन उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।

सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, पहले छेड़छाड़ की प्राथमिकीः घटना के बाद पुलिस को फोन पर सूचना दी गई थी। 8 नवंबर की सुबह पीड़िता ने रातू थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। हालांकि, पुलिस ने उसके आवेदन पर अज्ञात युवकों के खिलाफ छेड़छाड़ की प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद सामूहिक दुष्कर्म के आरोप के बावजूद पुलिस की शुरूआती कार्रवाई पर सवाल उठने लगे। मेडिकल जांच और कॉल डंप कराए जाने के संबंध में भी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

मामले की जानकारी लेने के लिए सोमवार शाम डीएसपी अजय आर्यन रातू थाना पहुंचे और पीड़िता से घटना के संबंध में जानकारी ली। थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि पीड़िता के बयान पर अज्ञात युवकों के खिलाफ छेड़छाड़ की प्राथमिकी दर्ज की गई है। सोमवार को सामूहिक दुष्कर्म की बात सामने आई है। फिलहाल मामले का सत्यापन कराया जा रहा है।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

ट्रंप की मध्यावधि हार

राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यावधि चुनावों में करारी हार हुई है। बेशक वह अमेरिका के राष्ट्रपति बने रहेंगे, लेकिन उनका करीब दो साल का शेष कार्यकाल लुंज-पुंज ही साबित होगा। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत हासिल हुआ है। अब ट्रंप मनमर्जी, निरंकुश, सनकी, एकाधिकारवादी, हस्तक्षेपी, आक्रांता राष्ट्रपति के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। बल्कि उनके खिलाफ कई जांचें बिठाई जा सकती हैं। कई विवादास्पद परतें खुल सकती हैं। उनके परिवार की 19,000 करोड़ रुपए की कमाई और संपत्ति, क्रिप्टो कारोबार तथा 20,000 से अधिक स्टॉक डील्स को खंगाला जा सकता है। ईरान युद्ध पर खर्च और नुकसान आदि के यथार्थ सामने आ सकते हैं। अमेरिकी जनता हैरान हो सकती है। उनके कारण जनता का जो मोहभंग होगा, उसका खामियाजा ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को झेलना पड़ेगा। पार्टी में ट्रंप का विरोध इतना बढ़ सकता है कि उनके नेतृत्व को खारिज किया जा सकता है। विश्लेषण सामने आए हैं कि करीब 91 फीसदी अश्वेतों, करीब 70 फीसदी हिस्पैनिक और एशियाई, 59 फीसदी अन्य ने राष्ट्रपति ट्रंप की पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ वोट दिए। 18-29 आयु वर्ग के युवाओं और एशियाई मूल (भारतवंशी भी शामिल) के हर 10 में से 7 मतदाताओं ने डेमोक्रेट्स के पक्ष में जनादेश दिया है। इस आधार पर आकलन किया जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के मध्यावधि कार्यकाल के प्रति जनमत कैसा है? जनता के बीच राष्ट्रपति की लोकप्रियता 31-32 फीसदी तक क्यों लुढक आई है? इसमें सिर्फ ईरान युद्ध ही बुनियादी कारण नहीं है। तेल-गैस, डीजल के बढ़े दाम, रोजमर्रा की वस्तुओं की महंगाई, हेल्थ केयर की व्यवस्था के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप के सख्त फैसले, टैरिफ को लेकर कारोबारियों और आम आदमी की परेशानियां, महंगाई आदि कुछ बेहद संवेदनशील मुद्दों के आधार पर अमरीकी जनता ने ट्रंप के खिलाफ यह जनादेश दिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मान रहे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध और महंगाई ही हमारी हार की मुख्य वजह रही हैं, लेकिन इस मध्यावधि जनादेश से राष्ट्रपति ट्रंप शक्तिहीनह्न हो जाएंगे, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अमरीका के संविधान के अनुच्छेद 1 और 2 में राष्ट्रपति की शक्तियों का उल्लेख है। वह डेमोक्रेट्स के बहुमत वाली संसद में पारित बिलों पर वीटो कर उन्हें खारिज कर सकते हैं। बेशक सीनेट का दो-तिहाई बहुमत वीटो को भी बेअसर कर सकता है, लेकिन डेमोक्रेट्स के पास इतना बहुमत नहीं है। अब युद्ध के संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप मनमाना फैसला नहीं कर सकते। यदि युद्ध में सेना भेजी गई है, तो राष्ट्रपति को 48 घंटे में अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को रपट देनी होगी। सेना की वापसी के लिए राष्ट्रपति को 30 दिन की अवधि मिलेगी, यह भी उनकी शक्तियों में शामिल है, लेकिन फिलहाल युद्ध का बजट पारित कराना या बजट की राशि में वृद्धि कराना भी मुश्किल होगा। युद्ध मंत्री हेगसेथ ने ईरान युद्ध का अभी तक का खर्च 2.55 लाख करोड़ रुपए बताया है। इसकी जांच कराई जा सकती है। राष्ट्रपति इस मध्यावधि पराजय के लिए युद्ध मंत्री हेगसेथ को बलि का बकरा बना सकते हैं। बहरहाल भारत के संदर्भ में यह जनादेश आसान और सरल नहीं है। टैरिफ पर कानून बन चुका है, लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप कभी भी भारत पर टैरिफ थोप सकते हैं। व्यापार-समझौते का दबाव अब भी रहेगा। भारत में जीई एयरोस्पेस के जेट इंजन और उन्नत बख्तरबंद वाहनों के निर्माण का जो साझा करार हुआ था, संसद में दोनों दलों ने इसका समर्थन किया था, उसके क्रियान्वयन की गति धीमी पड़ सकती है। ट्रंप विदेश नीति को पूरी तरह लेन-देन पर आधारित अमेरिका फर्स्ट के नजरिए से देखते हैं। इसके मायने हैं कि उनका प्रशासन अमेरिकी संरक्षणवाद को ज्यादा बढ़ावा दे सकता है। ट्रंप व्यापार समझौते और रूस से तेल आयात करने सरीखे मुद्दों पर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।

फैसलों की आर्थिक स्पष्टता

आर्थिक स्रोतों की पैरवी में अदालत से मिली गारंटी का एहसास हिमाचल को नए सफर की कहानी बता रहा है। ताजातरीन उदाहरण सुप्रीम कोर्ट से आए फैसले का आर्थिक निर्देश है जिसके तहत अगले बीस साल 1197.3 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति होगी। पंजाब पुनर्गठन से मिली रसीदें जहां गुम थीं, वहां हिमाचल की हिस्सेदारी यानी 7.19 प्रतिशत पर दावेदारी अगर मिली है, तो यह न्याय का वरदान है। भुगतान की कश्तियां जहां डूबी थीं, वहां विभिन्न सरकारें 1996 से ही सुप्रीम कोर्ट से हक मांग रही थीं। फैसले की आमद से पंजाब को 60 फीसदी और हरियाणा को 40 फीसदी की अदायगी करनी होगी। जाहिर है पंजाब पुनर्गठन की फाइलों के प्रति हिमाचल का रवैया शुरूआत में ढीला और औपचारिक ही रहा है। हम अगर 7.19 प्रतिशत की हैसियत में पंजाब पुनर्गठन को टटोलते तो आज स्थिति भिन्न होती। यह उस दौर की कहानी है जब यहां की राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की बहस में खुद को समेट रही थी। पंजाब पुनर्गठन केवल कुछ पहाड़ी इलाकों को हिमाचल में शामिल करना नहीं था, बल्कि इनकी वजह से आ रही ऊर्जा को अंगीकार करना था। अगर उसी वक्त हिमाचल 7.19 प्रतिशत की दर से अपने अधिकारों की पैरवी करता, तो आज तस्वीर दूसरी होती। पहले केंद्र शासित राज्य के दस्तूर में अपनी हैसियत मापते रहे और फिर विशेष राज्य के दर्जे में केंद्र के पिछलग्गू बन गए। पहली बार हिमाचल ने अपनी अस्मिता से जल संसाधन तब जोड़े, जब शांता कुमार की पैरवी से प्रदेश को बारह प्रतिशत मुफ्त बिजली की सबसिडी मिली। इसके बाद धूमल सरकार ने विद्युत राज्य बनने की कसौटियां तय कीं, जबकि हाल के दिनों में सुक्खू सरकार ने अधिकारों के हिमाचली रहट चला दिए। इसी कड़ी में वाटर सेस और शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक पर हिमाचल ने अपने सारे तर्क बदले हैं। करछम-वांगतू जल विद्युत परियोजना से मुफ्त बिजली पाने के अधिकार अगर बारह से 18 प्रतिशत हुए, तो अब स्पष्ट है कि यह नए दौर की आर्थिक संरचना है। अदालत के जरिए हिमाचल ने न केवल जेएसडब्ल्यू से अपने हिस्से की बिजली हासिल की, बल्कि होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल के मालिकाना हक से करीब चार सौ करोड़ के वित्तीय लाभ भी प्राप्त किए। अदालती मामलों की फेहरिस्त में किशाऊ बांध परियोजना में आया फैसला दरअसल हिमाचल के तर्क और अधिकारों की बुनियाद को पुख्ता कर गया है। पहाड़ी राज्यों की आर्थिकी को रेखांकित करने का जो फैसला शांता कुमार सरकार के दौर में मुफ्त बिजली की रायल्टी को सुनिश्चित कर गया, उसी तर्ज पर किशाऊ बांध परियोजना के अदालती निर्देश आगे की राह तय करने में सहयोगी होंगे। इस परियोजना में बिना कोई धेला गंवाए अगर हिमाचल के विद्युत अधिकार सुनिश्चित हो रहे हैं, तो आने वाले समय में फैसलों की स्पष्टता से हिमाचल अपने संघर्ष को पुख्ता कर पाएगा। पंजाब पुनर्गठन के पार्टनर के रूप में हमारी हिस्सेदारी के कई संदर्भ अभी गुम हैं और जिस दिन देश स्पष्टता से समझेगा, हिमाचल की आर्थिक राहें सुनिश्चित होंगी। बहरहाल फैसले का जश्न जिस सियासी टोकरी में हो रहा है, वह अनावश्यक है। बेशक रिकार्ड के रूप में सुक्खू सरकार का दौर याद किया जाएगा, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने की पगडंडियों पर वर्षों से कदमताल होता रहा है। अंतर यह है कि वर्तमान सरकार अदालत के समक्ष अपनी जिरह, जरूरत और हक के प्रति निर्भीक हुई है। हम केंद्र के अच्छे बच्चे बने रहने की भूल में समय और जरूरत को तरजीह नहीं दे पाए।

विदेशी सोशल मीडिया पर अंकुश है जरूरी

‘एक बड़ी चिंता यह है कि जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी तकनीक का इस्तेमाल सरकारों को जवाबदेह ठहराने के लिए करते हैं, वहीं इन प्लेटफॉर्म्स की खुद की जवाबदेही तय करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। यहां तक कि जब इन प्लेटफॉर्म्स का गलत आचरण सामने आता है, तब भी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करना संभव नहीं होता। भारत सरकार के पास इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाईडलाईंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियमावली 2021 के अंतर्गत नियम 4 (2) के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, सार्वजनिक व्यवस्था (पब्लिक ऑर्डर) और यौन अपराधों या बच्चों के यौन शोषण से संबद्ध कुछ संगीन अपराधों के संदर्भ में यह अधिकार है कि संदेश के प्रारंभ कर्ता की पहचान कर सके और अपराधियों को दंड दे सके।’

डा. अश्विनी महाजन

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कई देशों में सत्ता परिवर्तन देखे हैं, जिनमें बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल प्रमुख हैं। इन देशों में हुए सत्ता परिवर्तनों में एक बात समान थी- सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन, जिन्हें सोशल मीडिया के जरिए और हवा मिली। इन देशों में नागरिकों को उद्वेलित करने मे सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया के एल्गोरिदम ने इन चचाओं को और तेज कर दिया। श्रीलंका में, इन विरोध-प्रदर्शनों के कारण अंततः राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा। बांग्लादेश में, चुनी हुई प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोडकर भागना पड़ा। नेपाल का ह्यजेन-जीह्ल आंदोलन भी इससे कुछ अलग नहीं था। वहां भी, सोशल मीडिया ने खराब शासन, भ्रष्टाचार, राजनीतिक जवाबदेही और बेरोजगारी से जुड़ी चर्चाओं को बढ़ावा दिया। नेपाल में, युवा प्रदर्शनकारियों को एकजुट करने और सूचनाएं फैलाने में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। साथ ही इसका इस्तेमाल आधिकारिक बयानों को चुनौती देने के लिए भी किया गया। यह आंदोलन सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के साथ समाप्त हुआ।

एक बड़ी चिंता यह है कि जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी तकनीक का इस्तेमाल सरकारों को जवाबदेह ठहराने के लिए करते हैं, वहीं इन प्लेटफॉर्म्स की खुद की जवाबदेही तय करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। यहां तक कि जब इन प्लेटफॉर्म्स का गलत आचरण सामने आता है, तब भी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करना संभव नहीं होता। भारत सरकार के पास इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाईडलाईंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियमावली 2021 के अंतर्गत नियम 4 (2) के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, सार्वजनिक व्यवस्था (पब्लिक ऑर्डर) और यौन अपराधों या बच्चों के यौन शोषण से संबद्ध कुछ संगीन अपराधों के संदर्भ में यह अधिकार है कि संदेश के प्रारंभ कर्ता की पहचान कर सके और अपराधियों को दंड दे सके। नियम में यह भी प्रावधान है कि ऐसा तब किया जाएगा जब कम सख्त तरीके प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाएं। गौरतलब है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म निजता के नाम पर नियमों को भी मानने से इंकार करते हैं। न्यायालय में सुनवाई के दौरान एक बार फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया कंपनी मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने बयान दिया था, कि यदि उन्हें एंड टू एंड एन्क्रिप्शन समाप्त करने के लिए बाध्य किया जाएगा तो वह भारत से निकल जाएंगे, यानी इन सोशल मीडिया सेवाओं को भारत में समाप्त कर देंगे। उनके इस बयान से यह समझा जा सकता है कि भारत सरकार उन्हें कुछ हिदायत दे रही है, जिनका वे पालन नहीं करना चाहते और इसलिए अपने इस बयान से जनता में राय बनाते हुए भारत सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं कि वो उन पर अंकुश न लगाए।

क्या है एंड टू एंड एन्क्रिप्शन और क्या हैं भारतीय नियम? : मेटा का कहना है कि व्हाट्सएप द्वारा भेजे गए संदेश एंड टू एंड एन्क्रिप्टिड, यानी एक सिरे से दूसरे सिरे तक गुप्त होते हैं, यानी सिर्फ वही व्यक्ति जिसे आप मैसेज भेज रहे हैं, वही आपके मैसेज पढ़ सकते हैं। इसके साथ ही आपकी वॉइस कॉल और वीडियो कॉल भी एंड टू एंड एन्क्रिप्टिड होती है। अब जब भारत सरकार संगीन अपराधों के लिए व्हाट्सएप से जानकारी मांगती है तो एंड टू एंड एनक्रिप्शन यानी निजता का हवाला देकर, व्हाट्सएप उससे बचना चाहता है।

दूध की धुली नहीं है मेटा : एक ओर जहां मेटा कंपनी ऊंचे आदर्शों का दंभ भरते हुए भारत सरकार के नियमों को मानने से यह कहकर इंकार कर रही है कि इससे उसकी एंड टू एंड इंक्रिप्शन समाप्त हो जाएगी और यह उनकी वैश्विक स्तर वैशिष्ट्य है, जिसके लिए व्हाट्सएप दुनिया में जानी जाती है, वहीं दूसरी ओर यह कंपनी यूजर्स का डाटा बिना उनकी अनुमति के अन्य लोगों को कीमत के बदले उपलब्ध कराती रहती है। यूजर्स डाटा को बेचने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कंपनी ने अपनी प्राइवेसी नीति में भी बदलाव किया है। इस बदलाव के साथ मेटा ने स्वयं को अधिकृत किया कि वो अन्य मेटा कंपनियों के साथ उनका डेटा साझा कर सकती है। 2021 में किए गए बदलाव में यह प्रावधान था कि जो ग्राहक ऐसा नहीं चाहते, वे उनकी सेवा छोड़ सकते हैं। मेटा का यह भी कहना था कि इससे उसकी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ी है। बाद में भारत की नियामक संस्था कंपीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कहा कि यह बदलाव कि यदि उन्हें डाटा साझा करना स्वीकार नहीं तो वे मेटा सेवा छोड़ सकते हैं, अनुचित है। आयोग ने कहा कि यह डेटा साझा करना व्हाट्सएप सेवाओं के उपलब्ध कराने से संबद्ध नहीं है और उसने मेटा पर 213 करोड रुपए से अधिक का जुमार्ना लगाया और उसके बदलाव को रोक कर उपभोक्ताओं के चयन के अधिकार को बहाल किया। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जिसमें मेटा कंपनी ने ग्राहकों की निजी जानकारियों का अनुचित उपयोग किया। कैंब्रिज एनालेटिका घोटाले में फेसबुक के लाखों यूजर्स का डाटा किसी तीसरी एप के माध्यम से लेकर उसका राजनीतिक दुरुपयोग किया गया। इन लाखों यूजर्स ने अपने इस डाटा का उपयोग करने के लिए अनुमति नहीं दी थी। 2019 में अमरीका के फेडरल ट्रेड कमीशन ने निजता हनन के लिए फेसबुक पर 5 अरब डालर का जुमार्ना लगाया। 2021 में फ्रांसिस हॉगन ने इंस्टाग्राम के आंतरिक दस्तावेजों का खुलासा करते हुए इंस्टाग्राम के किशोरों के मानसिक और अन्य प्रकार से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया और यह साबित किया कि मेटा कंपनी का इस बाबत रुख गैर-जिम्मेदाराना रहा। 2018 में संयुक्त राष्ट्र के फैक्ट फाइंडिंग मिशन द्वारा यह बताया गया कि फेसबुक सामाजिक घृणा फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहा है। बे-रोकटोक सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रकार की घृणा फैलने के कितने दुष्परिणाम होते हैं, यह उसका उदाहरण है। म्यांमार में फेसबुक पर सोशल मीडिया पोस्टों ने एक अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ घृणा का वातावरण तैयार किया।

मेटा द्वारा विभिन्न प्रकार के अधिग्रहण और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के कारण अलग-अलग देशों में सोशल मीडिया के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगभग समाप्त हो गई है। खास तौर पर फेसबुक द्वारा इंस्टाग्राम और व्हाटसएप के अधिग्रहण के बाद सोशल मीडिया में मेटा का एकछत्र राज्य स्थापित हो चुका है। अब तक यह स्पष्ट हो चुका है कि मेटा कंपनी यूजर डाटा को ट्रेक करते हुए लक्षित विज्ञापन भी करती है। व्हाटसएप के माध्यम से मेटा कंपनी गलत जानकारियां प्रसारित करने का काम करती है और ऐसा देखा गया है कि व्हाट्सएप पर फैली अफवाहों की वजह से दंगे, उत्पीड? की गतिविधियां तो होती ही हैं, और तथाकथित एंड टू एंड एनक्रिप्शन की वजह से यह पता नहीं चल पाता कि गलत सूचनाओं का स्रोत क्या है? वैश्विक डिजिटल इकोसिस्टम पर मेटा का लगभग एकाधिकार है।

बढ़ती विकास दर, घटती खुशहाली

‘सरकार की प्राथमिकता केवल जीडीपी वृद्धि की गति बनाए रखने के साथ-साथ स्थायी रोजगार सृजन, कृषि क्षेत्र की मजबूती, महंगाई पर नियंत्रण, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और आम नागरिक की बचत बढ़ाने की भी होनी चाहिए। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जो अधिक रोजगार पैदा कर सकें। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध करवाना और छोटे उद्यमों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना भी जरूरी है।’

सत्यपाल वशिष्ठ

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की विकास दर का ऊंचा बने रहना निश्चित रूप से उत्साहजनक है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की अनुमानित विकास दर को भी 6.6 प्रतिशत से संशोधित करके 7 प्रतिशत कर दिया है। ये आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और विकास की संभावनाओं को दशार्ते हैं। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ह्यगरीबी एवं समानता रिपोर्टह्न के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवनयापन करने वाले लोगों का अनुपात वर्ष 2011 में 27.1 प्रतिशत था, जो वर्ष 2023 में घटकर मात्र 2.6 प्रतिशत रह गया है। यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रिपोर्ट में बढ़ती खपत, रोजगार के अवसरों और खाद्य सब्सिडी सहित विस्तारित सामाजिक कल्याण योजनाओं के योगदान को भी स्वीकार किया गया है। लेकिन वर्तमान में स्थायी रोजगार के अभाव और महंगाई से त्रस्त जनता को देखते हुए इन उत्साहजनक आंकड़ों के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है तो आम नागरिक का जीवन आर्थिक रूप से आसान होने के बजाय कठिन क्यों होता जा रहा है? विकास दर में वृद्धि और आम आदमी की आर्थिक खुशहाली के बीच दिखाई देने वाला यह अंतर गंभीर विचार-विमर्श की मांग करता है।

इन उपलब्धियों के उत्साह में उन चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जो आज भी हमारे सामने मौजूद हैं। वर्ष 2026 के वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 122 देशों में भारत का 100वां स्थान इस बात की याद दिलाता है कि आर्थिक विकास अपने आप पर्याप्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की गारंटी नहीं देता। विश्व बैंक की रिपोर्ट भी लगातार बनी हुई आर्थिक असमानताओं की ओर संकेत करती है। मजदूरी में असमानता अब भी बनी हुई है। सरकारी नौकरियों के लिए लंबी कतारें देश में रोजगार की स्थिति को दशार्ती हैं। नियमित वेतन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और अपेक्षाकृत स्थायी रोजगार की संभावना युवाओं को सरकारी नौकरियों की ओर आकर्षित करती है। युवाओं की परेशानी केवल नौकरी न मिलने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके माता-पिता ने जीवनभर की बचत उनकी शिक्षा पर खर्च की होती है। इसके बावजूद जब उन्हें योग्यता के अनुरूप सुरक्षित रोजगार नहीं मिलता तो परिवारों में निराशा बढ़ती है। जीडीपी देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य में वृद्धि को मापती है, लेकिन यह नहीं बताती कि इस अतिरिक्त आय का वितरण समाज के विभिन्न वर्गों के बीच किस प्रकार हुआ है। यह भी जरूरी नहीं कि उत्पादन बढ़ने के अनुपात में रोजगार के अवसर बढ़ें। पूंजी प्रधान उद्योगों और तकनीक आधारित गतिविधियों से उत्पादन तथा कंपनियों का मुनाफा तेजी से बढ़ता है, लेकिन उनमें प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन अपेक्षाकृत कम होता है। यदि कंपनियों के मुनाफे में तेजी से वृद्धि हो और कर्मचारियों के वेतन में अपेक्षित सुधार न हो तो आर्थिक विकास का लाभ सीमित वर्ग तक सिमटकर रह जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में महंगाई आम आदमी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के अक्टूबर 2026 के अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू बजट प्रभावित होता है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन, किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर खर्च हो जाता है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि उनके घरेलू बजट को असंतुलित कर देती है। आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को समझने के लिए उनकी घटती बचत और बढ़ती कर्ज निर्भरता पर भी ध्यान देना आवश्यक है। क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार जिन लोगों ने गोल्ड लोन लिया है उनमें से 20 प्रतिशत वो लोग हैं जिनका पर्सनल लोन विलंबित है। पांच में से एक गोल्ड लोन उधार लेने वाला जेन जेड है जिन्होंने अपने माता-पिता के गोल्ड की एब्स में उधार लिया है। गोल्ड लोन वे लोग ले रहे हैं जो पहले खुशहाल स्थिति में थे। यदि परिवार अपनी नियमित जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने लगें तो यह घरेलू आर्थिक दबाव का संकेत हो सकता है। बचत में कमी और कर्ज पर बढ़ती निर्भरता भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी बढ़ती जीवनयापन लागत, सार्वजनिक सेवाओं पर खर्च में कमी और आर्थिक असमानता के विरुद्ध लोगों का असंतोष सामने आ रहा है। आम नागरिक यदि स्थिर आय के अभाव, बढ़ती कीमतों और असुरक्षित रोजगार के बीच संघर्ष करता रहे तो ऊंची विकास दर उसके लिए अपेक्षित खुशहाली का आधार नहीं बन सकती। इसलिए सरकार की प्राथमिकता केवल जीडीपी वृद्धि की गति बनाए रखने के साथ-साथ स्थायी रोजगार सृजन, कृषि क्षेत्र की मजबूती, महंगाई पर नियंत्रण, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और आम नागरिक की बचत बढ़ाने की भी होनी चाहिए। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जो अधिक रोजगार पैदा कर सकें। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध करवाना और छोटे उद्यमों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना भी जरूरी है। अंततः आर्थिक विकास की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि देश की जीडीपी कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि इससे भी कि आम आदमी की आय कितनी बढ़ी, उसे कितना सुरक्षित रोजगार मिला, उसकी बचत में कितना सुधार हुआ और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक तथा पेयजल जैसी सुविधाएं कितनी बेहतर मिलीं। राष्ट्रीय समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक विकास की चमक देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लेकर आए। एक समस्या यह है कि गरीब और अमीर में अंतर बढ़ता जा रहा है।

अंतरात्मा की आवाज

ओशो

कैसे जानें, मैं क्या होने को पैदा हुआ हूं। कैसे जानें कि मैं कुछ और होने में तो नहीं लगा हूं। कैसे पहचानें कि मैंने किसी परधर्म को तो नहीं पकड़ लिया है। पहचान हो तो सकती है पर पहचान के सूत्र सूक्ष्म होंगे। पहला सूत्र यह कि अगर आप जीवन में दुखी हैं, तो पक्का समझ लेना कि आप स्वधर्म से हट गए हैं या हट रहे हैं।

चिंतन-मनन

जहां भी स्वधर्म की यात्रा होती है, वहीं आनंद होता है। यदि अशांत हैं तो समझना चाहिए कि परधर्म के पीछे चल रहे हैं। रुककर दोबारा सोचना चाहिए कि जो यात्रा चुनी, जो कर रहे हैं, उससे दुख और पीड़ा, अशांति बढ़ती है, तो निश्चित ही वह मार्ग मेरा नहीं है। शांति बढ़े, तो आप स्वधर्म के निकट चल रहे हैं। शांति मापदंड है। दूसरा, यदि कोई स्वधर्म के साथ-साथ चल रहा हो, तो उसके जीवन में स्वीकार का भाव बढ़ेगा, अस्वीकार कम होता जाएगा। क्योंकि जिसके भीतर जरा सा भी आनंद आया, उसके बाहर स्वीकृति आने लगती है, वह चीजों को स्वीकार कर संतुष्ट होने लगता है। अगर स्वधर्म के अनुकूल न चलता हो तो अस्वीकार बढ़ने के साथ ही असंतुष्ट होता चला जाता है। हर चीज के प्रति दुश्मन की दृष्टि आ जाती है। तीसरा सूत्र यह कि स्वधर्म के अनुकूल अगर जाना हो, तो सिर्फ बाहर की चीजों में उलझकर कोई व्यक्ति कभी नहीं जा सकता। दैनिक कामों में पता ही नहीं चलता कि स्वधर्म क्या है? परधर्म क्या है। जिसे स्वधर्म की खोज करनी हो, उसे बाहर की दुनिया से कम से कम चौबीस घंटे में घंटे भर के लिए बिल्कुल छुट्टी ले लेनी चाहिए और भीतर की दुनिया में डूब जाना चाहिए। बाहर के द्वार बंद कर देने चाहिए। सब इंद्रियों के द्वार बंद करके अपने भीतर घंटे भर के लिए डूब जाना चाहिए। वहीं स्वयं और निजता के रहस्य का पता चलेगा उस रहस्य का जो अपना है। वहीं से सूत्र मिलेंगे, ध्वनि सुनाई पड़ेगी, वहीं से इशारे मिलेंगे। धीरे-धीरे इशारे गहरे होते चले जाते हैं। यह आखिरी सूत्र सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। स्वधर्म का पता अंदर की वाणी के अतिरिक्त और कहीं से नहीं चलता है। चौथा सूत्र है अपने स्वधर्म के केंद्र को छू लेना। बाहर की दुनिया को बंद करके सब भूलकर जब अपने भीतर डुबकी लगाएंगे तो उस डुबकी में धीरे-धीरे भीतर की अंतवार्णी सुनाई देनी शुरू होगी। यह अंतवार्णी सबके भीतर छिपी है।

आपके पत्र

विज्ञान का ज्ञान मानव हित के लिए प्रयोग हो

10 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य शांति और विकास भी है। अर्थात शांति और विकास के कामों में विज्ञान की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना इसका उद्देश्य है। अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है।

विज्ञान ने इनसान की जिंदगी बहुत आरामदायक बना दी है। संचार क्रांति, डिजिटल क्रांति और अन्य बहुत सी भौतिकतावादी वस्तुएं जो विज्ञान की तरफ से हमें मिली हैं, वो हमारे लिए सुख तो पहुंचाती हैं, लेकिन इनमें से बहुत सी हमारे लिए नुकसानदायक भी हैं। विज्ञान और नई तकनीक का प्रयोग उचित तरीके से किया जाए तो वो वरदान है, अन्यथा वो अभिशाप बनेगी।

आर श्रीवास्तव, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

डीआईजी ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचे



साहिबगंज : डीआईजी अंबर लकड़ा देर शाम साहिबगंज पहुंचे जहां उन्होंने एसपी कार्यालय पहुंचकर एसपी से मुलाकात की और घटना के बारे में बिंदुवार जानकारी लिए फिर डीआईजी ने एसपी के साथ घटनास्थल पहुंचकर जायजा लिया। आसपास के दुकानदारों से पूछताछ भी किया फिर डीआईजी ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। और स्वजनों से पूछताछ कर जानकारी प्राप्त किए। डीआईजी ने बताया कि मुन्ना हत्याकांड को लेकर एक जांच टीम का गठन किया गया है पुलिस हर बिंदुवार जांच करेगी किस प्रकार से या घटना घटित हुई थी। दोनों पुलिसकर्मी दो पदाधिकारी के अंगरक्षक थे। बताएं कि जितने भी एविडेंस थे वह सभी कलेक्ट कर लिए गए हैं जिंदा गोली के साथ खोखा भी बरामद किया गया है। और पिस्टल भी बरामद किया गया है। टीम पूरे मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच करेगी और पीड़ित परिवार को मुआवजा भी जल्द से जल्द दिया जाएगा ।

मां काली की कलश का विसर्जन



साहिबगंज : कार्तिक मास की अमावस्या दीपावली के बाद या विभिन्न परंपराओं जैसे चैती काली पूजा विशेष स्थानीय तिथियों के अनुसार संपन्न होता है। जबकि मां काली का कलश का विसर्जन सोमवार की देर रात्रि माथे पर कलश लेकर मां गंगा की ओर यात्रा कर विसर्जन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों और परंपराओं में मां काली की पूजा और कलश,प्रतिमा विसर्जन की तिथियां अलग अलग होती हैं। दीपावली के बाद का विसर्जन दीपावली की रात मां काली की आराधना के बाद अगले दिन या कुछ स्थानों पर मेले के समापन पर प्रतिमा व कलश का विसर्जन किया जाता है। विशिष्ट स्थानों पर चैत्र मास में भी कुछ स्थानों पर चैती काली पूजा के अवसर पर कलश और प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है।

मां काली की कृपा से सभी के जीवन में सुख,शांति और समृद्धि बनी रहे : बजरंगी



साहिबगंज : राजमहल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उधवा प्रखंड के श्रीधर गांव में आयोजित मां काली पूजा महोत्सव में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव शामिल हुए।इस दौरान उन्होंने 22 हाथ वाली मां काली की भव्य एवं दिव्य प्रतिमा का दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।इसके उपरांत बजरंगी प्रसाद यादव ने पूजा समिति की ओर से आयोजित पारंपरिक भवैया गान कार्यक्रम का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मधुर भवैया गीतों और भक्तिमय वातावरण से पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर नजर आया।इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि मां काली के दिव्य दर्शन कर उन्हें असीम शांति और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हुई है।उन्होंने कहा कि भवैया गान झारखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और पारंपरिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।ऐसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है और आपसी प्रेम एवं भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।उन्होंने मां काली से प्रार्थना करते हुए कहा कि माता रानी की कृपा जिले,राज्य और देशवासियों पर सदैव बनी रहे तथा सभी के जीवन में सुख,शांति,खुशहाली और समृद्धि आए। मौके पर भाजपा नेता पंकज घोष,कृष्णा शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

टमटम स्टैंड काली पूजा पंडाल का बजरंगी प्रसाद यादव ने किया उद्घाटन



साहिबगंज : शहर के कॉलेज रोड स्थित टमटम स्टैंड में शांति काली पूजा समिति के अवसर पर बनाए गए भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर किया।इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों ने उन्हें चुनरी ओढ़ाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने मां काली के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया।उन्होंने जिले सहित पूरे झारखंड राज्य की सुख-समृद्धि,खुशहाली शांति और उन्नति की कामना की।उन्होंने कहा कि मां काली की आराधना शक्ति,साहस और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम,भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आपसी सौहार्द एवं श्रद्धा के साथ काली पूजा और दीपावली का पर्व मनाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना यादव,सचिव प्रेमनाथ तिवारी,संतोष स्वर्णकार,नीरज यादव, राजू मिश्रा,रवि अजमानी,अमलेश यादव,विनय आर्या,कृष्णा शर्मा,मयंक यादव सौरभ गुप्ता,विजय मोदी,पप्पू यादव,विकाश यादव,विकाश सिन्हा के आलवा पूजा समिति के कई सदस्य सहित स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बड़ी काली मंदिर के पास आपसी रंजिश में मारी गई थी गोली इलाज के दौरान हुई थी मौत

एसडीपीओ ने मुन्ना साह हत्याकांड में दो नामजद आरोपित गिरफ्तार पिस्टल व 34 गोलियां बरामद

संवाददाता



साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के पोखरिया स्थित बड़ी काली मंदिर के पास चंदन गिफ्ट हाउस के समीप मुन्ना साह की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पोखरिया निवासी अमित कुमार उर्फ पवन कुमार 44 पिता हीरालाल साह और रूपक कुमार पासवान 43 पिता मनीलाल पासवान के रूप में हुई है ।सोमवार को एसडीपीओ सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हत्याकांड के उद्भेदन और दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी की जानकारी दी। इस मौके पर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे।एसडीपीओ ने बताया कि 9 नवंबर को आपसी रंजिश में मुन्ना साह को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के पुत्र अंशु कुमार साह के लिखित आवेदन पर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 222/26, दिनांक 09.11.2026 दर्ज किया गया। इसमें अमित कुमार उर्फ पवन कुमार और रूपक कुमार पासवान को नामजद आरोपित बनाया गया था।एसडीपीओ ने बताया कि 9 नवंबर को आपसी रंजिश में मुन्ना साह को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के पुत्र अंशु कुमार साह के लिखित आवेदन पर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 222/26, दिनांक 09.11.2026 दर्ज किया गया। इसमें अमित कुमार उर्फ पवन कुमार और रूपक कुमार पासवान को नामजद आरोपित बनाया गया था।वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से हत्या में प्रयुक्त एक पिस्टल, 34 जिंदा गोलियां, एक खोखा और एक मोबाइल फोन बरामद किया हैएसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि पूजा त्योहार के दौरान इस तरह की घटना से त्योहार के माहौल में खलल डालने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस हो या आम जनता, कानून सबके लिए बराबर है। कानून से ऊपर कोई नहीं है।छापेमारी दल में ये थे शामिल छापेमारी दल में नगर प्रभाग के पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार दुबे, फुलेश्वर कुमार अकेला, सहायक अवर निरीक्षक बमबम यादव, हेमंत यादव सहित जिरवाबाड़ी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

70वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स अंडर 17 वर्ष चैंपियनशिप के लिए जिले से 6 एथलीट मध्यप्रदेश रवाना

पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं सभी एथलीट

संवाददाता



साहिबगंज : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के शिवपुरी शहर में 12 से 16 नवंबर, 2026 तक आयोजित होने वाली 70वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स अंडर 17 वर्ष चैंपियनशिप में भाग लेने वाली झारखंड राज्य टीम में राजस्थान इंटर विद्यालय एवं खेल विभाग द्वारा सिद्धो कान्हु स्टेडियम साहिबगंज में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र,साहेबगंज के 06 प्रशिक्षुओं का चयन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा 03-04 अक्टूबर तक बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, रांची में आयोजित खेलो झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स अंडर 17 प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर चयन किया गया है।आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज के कोच योगेश यादव ने बताया अंडर 17 वर्ष में एक साथ 6 खिलाड़ियों का चयन जिले के लिए गर्व का क्षण है। सभी एथलीट भाया रांची, शिवपुरी म.प्र. के लिए रवाना हो चुके हैं।सामू मरांडी 400 मीटर हर्डल्स,संतोष मुर्मू ट्रिपल जंप,जमादार केरई ऊंची कूद,जमशेद अंसारी 5000 मीटर पैदल चाल,पृथ्वी राज मंडल जेवलिन थ्रोसानू कुमार यादव डिसकस, जेवलिन सभी एथलीटों को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह,उपविकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक श्री संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, ए.पी ओ शबनम तबस्सुम राजस्थान इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ओम प्रकाश गुप्ता समेत जिले वासियों ने शुभकामना दी।

झारखंड स्थापना दिवस एवं बिरसा जयंती समारोह को लेकर हुई बैठक

विधायक एमटी राजा ने कार्यकर्ताओं के साथ की चर्चा आयोजन को सफल बनाने के दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : आगामी 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भव्य रूप से मनाने की तैयारी को लेकर रविवार को खड़दंग मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा उपस्थित हुए। इस दौरान समारोह को सफल बनाने को लेकर स्थानीय आयोजन कमेटी एवं झामुमो प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विधायक ने आयोजन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आपसी तालमेल और समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा समारोह को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर खड़दंग मैदान में भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है। इस मेले में उधवा प्रखंड के अलावा आसपास के अन्य प्रखंडों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं और मेले का आनंद लेते हैं। ऐसे में इस वर्ष भी समारोह एवं मेले को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। बैठक में विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, प्रखंड प्रमुख स्टेनशिला सोरेन, सकल हेंब्रम, जैनुल आब्दीन, यासीन शेख, बादल आलम, काजू मल्लिक, हारून रशीद, मुस्तफा शेख, बबलू सोरेन सहित झामुमो के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वार्ड पार्षद व पूर्व पार्षद ने सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

अंग वस्त्र मिठाई व प्रोत्साहन राशि देकर बढ़ाया कर्मचारियों का उत्साह

संवाददाता



साहिबगंज : दुर्गा पूजा काली पूजा एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान लगातार मेहनत और समर्पण के साथ साफ-सफाई का कार्य करने वाले वार्ड संख्या-07 के सफाई कर्मचारियों को वार्ड पार्षद सुनीता सिन्हा एवं पूर्व वार्ड पार्षद जयप्रकाश सिन्हा ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया।इस अवसर पर दोनों ने अपने आवास पर सभी सफाई कर्मचारियों को अंग वस्त्र,मिठाई एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।इस दौरान कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी भी संस्था की रीढ़ होते हैं।उनके समर्पण, मेहनत और सराहनीय कार्यों से ही संस्था का विकास होता है और उसकी पहचान बनती है।इसलिए सभी कर्मचारियों को सदैव पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।उन्होंने त्योहारों के दौरान सफाई कर्मचारियों द्वारा दिन-रात की गई मेहनत और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की।साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों एवं नगर परिषद परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उधवा में धूमधाम से हुई मां काली की पूजा श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

साहिबगंज/उधवा : दीपावली के पावन अवसर पर उधवा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मां काली की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। जानकारी के अनुसार प्रखंड के श्रीधर, कचहरी घाट, फुदकीपुर, मनिहारी टोला, बेगमगंज, राधानगर, अमानत दियारा, चांदशहर, आतापुर एवं केलाबाड़ी सहित कई स्थानों पर मां काली की भव्य प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। पूजा को लेकर सभी पूजा स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिरों और पूजा पंडालों में विशेष सजावट की गई थी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। सुबह से ही श्रद्धालु पूजा की तैयारियों में जुटे रहे। पूजा-अर्चना के दौरान महिला, पुरुष और बच्चों की भीड़ विभिन्न पूजा स्थलों पर पहुंची। श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। वही श्रीधर दियारा में मां काली की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। प्रतिमा की भव्यता और पूजा स्थल की सजावट देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं में मां काली के दर्शन और पूजा-अर्चना को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।वहीं, पूजा के दौरान शांति व विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई, ताकि पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। पूरे प्रखंड में मां काली की आराधना को लेकर भक्तिमय माहौल बना रहा।



महाराजपुर छठ घाट का पुनर्निर्माण कार्य शुरू,जेसीबी से तेजी से हो रही मरम्मत

गंगा कटाव से क्षतिग्रस्त घाट को छठ महापर्व से पहले दुरुस्त करने में जुटे ग्रामीण

साहिबगंज:गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण हुए भीषण कटाव से क्षतिग्रस्त महाराजपुर छठ घाट के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से जेसीबी मशीन लगाकर घाट की मरम्मत एवं समतलीकरण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।ग्रामीणों की पहल पर शुरू हुए इस कार्य का उद्देश्य छठ महापर्व से पहले घाट को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाना है,ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना तथा भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।इस संबंध में हिन्दू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और लोकविश्वास का महान पर्व है। महाराजपुर छठ घाट का गंगा कटाव से क्षतिग्रस्त होना चिंता का विषय था।ग्रामीणों की पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छठ से पहले घाट को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए सभी को मिलकर सहयोग करना चाहिए,ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से अपील की कि घाट के पुनर्निर्माण कार्य में आपसी सहयोग बनाए रखें,जिससे छठ महापर्व शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।



तलाक की खबरों के बीच गोविंदा का हाथ थामे दिखीं पत्नी सुनीता दिवाली पार्टी में ब्लैक एथनिक लुक में दिखा पूरा परिवार



क्या फिर से लौट आया है गोविंदा और सुनीता आहूजा की जिंदगी में प्यार? पिछले काफी समय से इस जोड़ी की शादीशुदा जिंदगी में उथल-पुथल, अलगाव की अटकलें और कई विवाद छाए हुए थे। नौबत यहां तक आ गई थी कि तलाक तक की खबरें सुर्खियों में बन गई थीं।

लेकिन, तमाम विवादों और कड़वाहट के बीच एक तस्वीर ने सबके सवालों का जवाब दे दिया है। दिवाली के पावन मौके पर जब गोविंदा और सुनीता आहूजा अपने दोनों बच्चों, बेटी टीना और बेटे यशवर्धन के साथ कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए नजर आए, तो एक बार फिर इस 'हीरो नंबर वन' जोड़ी के बीच सब कुछ ठीक होने की उम्मीद जाग उठी है।

हाथों में हाथ और ब्लैक एथनिक लुकः मुंबई में आयोजित एक दिवाली समारोह में गोविंदा और सुनीता पूरे परिवार के साथ पहुंचे। इस दौरान पूरा परिवार मैचिंग ब्लैक एथनिक आउटफिट्स में नजर आया, जिसमें सभी का स्टाइल काफी अट्रैक्टिव लग रहा था। लेकिन जिस बात ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा, वह थी सुनीता और गोविंदा की केमिस्ट्री।

तस्वीरों में सुनीता अपने पति गोविंदा का हाथ थामे हुए बेहद खुश नजर आ रही थीं। लंबे समय से चल रहे विवादों और तलाक की खबरों के बीच, पति का हाथ थामे उनका यह अंदाज हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

40 साल का रिश्ता, सुनीता को आज भी है उम्मीदः हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में सुनीता ने गोविंदा के साथ अपनी 40 साल पुरानी शादी पर खुलकर बात की थी। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा था कि पहले गोविंदा उन्हें सोने के गहने और खूब सारे तोहफे दिया करते थे। सुनीता आज भी उन पलों को वापस जीना चाहती हैं। उन्होंने साफ किया कि भले ही रिश्ते में मुश्किल समय आया हो, लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है और सबकुछ भगवान परछोड़ दिया है।

गोविंदा की इन बातों से हैं परेशानः इंटरव्यू के दौरान सुनीता ने बताया कि गोविंदा को उनका बेबाक अंदाज और गाली देना बिल्कुल पसंद नहीं है। हालांकि, सुनीता का कहना है कि वह उनके सामने कोई बनावटी इंसान बनकर नहीं रह सकतीं। उन्हें हंसना, बोलना और मस्ती करना पसंद है। उनका मानना है कि अगर वह अपने पति के सामने भी दिखावा करेंगी, तो फिर रिश्ते में अपनापन कहां से आएगा।

कोमल रानी स्वर्णकार से नाम जुड़ने पर हुआ था विवाद : गोविंदा और सुनीता के रिश्ते में तब बड़ी दरार की खबरें सामने आई थीं, जब एक्टर का नाम उनकी को-एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार के साथ जुड़ने लगा था। इन अफवाहों के बाद सुनीता की नाराजगी जगजाहिर हो गई थी और मामला तलाक तक पहुंच गया था। हालांकि, अगस्त 2026 में गोविंदा के मैनेजर ने इस बात की पुष्टि की थी कि सुनीता ने अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली है।

रामायण का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, 1 घंटे में बिके 1।11 लाख से ज्यादा टिकट, तोड़ा पुष्पा 2 और धुरंधर 2 का रिकॉर्ड



नितेश तिवारी निर्देशित भव्य पौराणिक फिल्म ह्यरामायणः राइज ऑफ अ लेजेंड ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाते हुए टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो पर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के पांचवें दिन इस मेगा बजट फिल्म ने महज एक घंटे के भीतर 1,11,830 टिकट बेचकर एक नया ऑल-टाइम रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दिवाली की लंबी छुट्टियों और पारिवारिक दर्शकों के भारी रुझान के दम पर रणबीर कपूर और यश स्टारर इस फिल्म ने अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 के प्रति घंटे टिकट बिक्री के रिकॉर्ड को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि ओपनिंग डे की एडवांस बुकिंग के मामले में रामायण इन दोनों एक्शन फिल्मों

दिवाली पर तोड़ा सुस्ती का तिलिस्म, चार दिनों में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 500 करोड़ के करीब : बॉक्स ऑफिस पर अक्सर दिवाली के दिन फिल्मों के कारोबार में सुस्ती देखने को मिलती है, लेकिन रामायण ने इस मिथक को पूरी तरह तोड़ दिया। दिवाली के रविवार को फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 56।15 करोड़ रुपये का धुआंधार कलेक्शन दर्ज किया। इसी के साथ भारत में रिलीज के शुरूआती चार दिनों के भीतर फिल्म की कुल नेट कमाई 238।85 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। वहीं विदेशी बाजारों के शानदार प्रदर्शन को मिलाकर दुनियाभर में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 499।20 करोड़ रुपये के शिखर पर पहुंच चुका है, जिसके चलते यह महज चार से पांच दिनों में ही 500 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को आसानी से पार कर रही है।

पुष्पा 2 और धुरंधर 2 को पछाड़कर रचा इतिहास, 1 घंटे में 1।11 लाख टिकटों की रिकॉर्ड बिक्रीः ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के बुकमायशो ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2023 के बाद के रिकॉर्ड में रामायण देश की पहली ऐसी फिल्म बन गई है जिसने एक घंटे में 1।10 लाख से अधिक टिकट बेचने का कारनामा किया है। सोमवार, 9 नवंबर को दर्ज की गई 1,11,830 टिकटों की पीक बिक्री के साथ इसने धुरंधर 2 (1,09,170 टिकट प्रति घंटा) और पुष्पा 2 (1,07,650 टिकट प्रति घंटा) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले मार्च 2026 में धुरंधर 2 ने ओपनिंग डे पर पुष्पा 2 का रिकॉर्ड तोड़ा था, लेकिन रामायण ने रिलीज के पांचवें दिन दर्शकों की अभूतपूर्व तात्कालिक प्रति घंटा मांग दर्ज कर सबको चौंका दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जहां एक्शन फ्रेंचाइजी की वजह से युवा दर्शक सिनेमाघरों तक पहुंचे थे, वहीं रामायण के प्रति सभी पीढ़ियों का भावनात्मक जुड़ाव इस रिकॉर्डतोड़ बिक्री की मुख्य वजह बना है।

तुकमायशो पर रोजाना 10 लाख से ज्यादा बुकिंग, जवान का रिकॉर्ड भी छूटा पीछेः रामायण अपनी रिलीज के पहले चार दिनों में हर दिन 10 लाख से अधिक ऑनलाइन टिकट बुकिंग हासिल करने वाली भारतीय सिनेमा इतिहास की केवल छठी फिल्म बन गई है। सोमवार सुबह टिकटों की मांग में अकल्पनीय तेजी दर्ज की गई, जहां सुबह 9 से 10 बजे के बीच लगभग 91,500 टिकट बिके, जबकि रविवार को इसी समयावधि में यह आंकड़ा 54,760 था। दिवाली की छुट्टियों के चलते टिकटों की मांग में 67 प्रतिशत से अधिक का भारी उछाल देखा गया। इस तूफानी रफ्तार के दौरान फिल्म ने पहले शाहरुख खान की जवान के 86,000 टिकट प्रति घंटे के रिकॉर्ड को पार किया और फिर पुष्पा 2 व धुरंधर 2 को भी पीछे छोड़ते हुए भारतीय सिनेमा में टिकट बुकिंग का नया इतिहास रच दिया।

इब्राहिम और सारा के साथ कैसा है करीना का रिश्ता, सैफ अली खान ने किया खुलासा

,5



बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण में अपने पारिवारिक जीवन, पिता के रूप में जिम्मेदारियों और पत्नी करीना कपूर खान के साथ रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। सैफ अली खान ने परिवार के सभी सदस्यों के बीच आपसी तालमेल, बच्चों के रिश्तों और एक साथ समय बिताने की खुशी साझा की। सैफ ने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों ने आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने में समझदारी दिखाई है। इसके लिए उन्होंने करीना की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि करीना का सारा और इब्राहिम के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है और दोनों भी उन्हें उतना ही प्यार देते हैं। रिश्ते हमेशा दोनों तरफ से निभाए जाते हैं और करीना ने हर चीज को सहज बनाया है।

अभिनेता ने इब्राहिम के अपने छोटे भाइयों तैमूर और जेह के साथ रिश्ते की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इब्राहिम दोनों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता है। वे उसके साथ खेलना पसंद करते हैं। घर आने पर वह उनके कमरों में जाकर उनसे बातचीत करता है। तीनों के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है, जिसे देखकर उन्हें एक पिता के रूप में खुशी होती है। सैफ ने परिवार के सभी सदस्यों के एक साथ बैठकर खाना खाने की इच्छा भी जाहिर की। उन्होंने बताया कि सलमान खान के घर पर ऐसा पारिवारिक माहौल देखकर उन्हें भी इसकी प्रेरणा मिली। उनके घर में भी कभी-कभी संडे लंच जैसे आयोजन होते हैं, जहां परिवार के बड़े-बुजुर्ग और बच्चे एक साथ भोजन करते हैं और आपस में बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों पर जब वह अपने आसपास परिवार के सभी सदस्यों को एक साथ देखते हैं तो उन्हें महसूस होता है कि वह बहुत खुशकिस्मत हैं कि उन्हें इन पलों को देखने और महसूस करने का अवसर मिला है। कार्यक्रम में करीना कपूर खान ने भी सैफ के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। उन्होंने फिल्म ओमकारा की स्क्रीनिंग का एक किस्सा साझा करते हुए सैफ के काले कुर्ते-पायजामे वाले लुक की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उस समय सैफ बेहद आकर्षक लग रहे थे। बातचीत के दौरान दोनों ने इस बात पर भी जोर दिया कि शादी को सफल बनाए रखने के लिए एक-दूसरे के प्रति प्यार, विश्वास और प्रतिबद्धता जरूरी है।



कॉफी विद करण 9: करण जौहर के शो में सिद्धार्थ और कियारा ने लगाया ग्लैमर का तड़का, कपल ने खोले कई राज

निर्माता-निर्देशक करण जौहर का चैट शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 लोगों को काफी पसंद आ रहा है। अब इस शो में सैफ अली खान और करीना कपूर खान के बाद पावर कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी नजर आने वाले हैं।

आज शो के नए एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया गया, जिसमें सिद्धार्थ और कियारा नजर आए। इस दौरान दोनों अपने स्टाइल से भी फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए कियारा शानदार रेड ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगीं, वहीं सिद्धार्थ ऑफ-व्हाइट पैंट सूट में नजर आए, जिस पर हल्के ब्लैक प्रिंट बने हुए हैं।

बता दें कि करण जौहर ने शो में उनसे उनकी मैरिड लाइफ, पर्सनल बॉन्डिंग और एक-दूसरे की आदतों को लेकर कई दिलचस्प सवाल पूछे। कियारा ने बताया कि उनकी शादी में करण जौहर ने किस गाने में डांस किया था। वहीं, शाहिद ने सोचा कि तुम्हे कंपनी देंगे और तुमने उसे धक्का मार कर वहां से हटा दिया, जिसके बाद करण जौहर चेहरा छिपाते हुए दिखे।

प्रोमो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, 'उन्होंने इसी सोफे पर उनके साथ एक शानदार भविष्य का सपना देखा था और अब हम उनकी खुशहाल जिंदगी के बारे में जान रहे हैं, यह कॉफी डेट बेहद खास है। कॉफी विद करण सीजन 9 का एपिसोड 5 बुधवार शाम 7 बजे सिर्फ जियोहॉटस्टार के द पीकॉक हब पर स्ट्रीम होगा।'

शो में हंसी-मजाक का सिलसिला तब और बढ़ गया, जब होस्ट करण कपल से पूछते हैं कि वे अपने किस किरदार को असल जिंदगी में निभाना चाहेंगे। इस पर सिद्धार्थ मजाकिया अंदाज में कहते हैं, 'हम अपने काम को घर नहीं लाना चाहते और निश्चित रूप से अपने बेडरूम में भी नहीं।'

बारिश के भेंट चढ़ा तीसरा वनडे, भारत की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बरकरार



हैमिल्टनः भारत और न्यूजीलैंड के बीच हैमिल्टन में खेला जाने वाला तीसरा ओडीआई बारिश की भेंट चढ़ गया है। लगातार हो रही बारिश के बाद अंपायरों ने आखिरकार मैच को आधिकारिक तौर पर रद्द घोषित कर दिया। मैच रद्द होने के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त बरकरार रखी है। इसके साथ ही यह भी तय हो गया है कि भारतीय टीम अब इस सीरीज को हार नहीं सकती। वहीं, दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम ज्यादा से ज्यादा इस सीरीज को ड्रॉ कर सकती है लेकिन जीत नहीं सकती, जबकि भारतीय टीम यदि दो में से एक भी मैच जीत जाती है तो सीरीज पर उसका कब्जा हो जाएगा।

टीम इंडिया के बिना ईसीबी की कमाई पर संकट, 2027 में भारत का इंग्लैंड दौरा न होने से होगा 627 करोड़ का घाटा

एजेंसी/ लंदनः इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के लिए साल 2027 आर्थिक लिहाज से मुश्किल साबित हो सकता है। बोर्ड को करीब 50 मिलियन पाउंड यानी 627 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज भी खेली जाएगी, लेकिन उससे होने वाली कमाई इस घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं होगी। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वित्तीय संकट की दो प्रमुख वजहें हैं। पहली, 2027 में भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा नहीं होना और दूसरी, आईसीसी का सदस्य देशों को मिलने वाले राजस्व का कुछ हिस्सा रोकने का फैसला। भारतीय टीम का दौरा इंग्लैंड क्रिकेट के लिए बड़े व्यावसायिक अवसरों में शामिल होता है।



भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता और विशाल दर्शक संख्या के कारण भारतीय टीम से जुड़े मुकाबलों के प्रसारण अधिकारों की कीमत काफी अहम होती है। 2027 में भारत के दौरे के बिना ईसीबी को इस कमाई का बड़ा हिस्सा गंवाना पड़ सकता है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड का सोनी पिक्चर्स के साथ छह साल का प्रसारण करार है, जिसकी कीमत 185 मिलियन पाउंड यानी करीब 2,323 करोड़ रुपए है। यह समझौता 2028 में समाप्त होगा। इसके बाद होने वाले नए करार से पहले के मुकाबले कम रकम मिलने की आशंका जताई जा रही है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 2027 में सदस्य देशों को वितरित किए जाने वाले प्रसारण राजस्व का एक हिस्सा अपने पास रखने का फैसला किया है। इसका असर सभी 12 पूर्ण सदस्य देशों पर पड़ेगा।

भारतीय अंडर-19 टीम के लिए आज करो या मरो मुकाबला सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए यूएई को हराना जरूरी

नई दिल्लीः अंडर-19 एशिया कप 2026 में पाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में हार झेलने के बावजूद भारतीय अंडर-19 टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह से जीवित हैं। कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी की अगवाई वाली भारतीय टीम प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर काबिज है। पाकिस्तान की टीम अपने दोनों मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी है, जबकि भारत और यूएई दोनों टीमों के पास 2-2 मैचों के बाद 2-2 अंक मौजूद हैं। भारतीय अंडर-19 टीम को सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए आज अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड, मिनिस्ट्री टर्फ-2, ओमान में अपना मुकाबला हर हाल में यूएई के खिलाफ जीतना होगा।

अगर भारतीय टीम इस मैच में जीत दर्ज करती है, तो वह बिना किसी समीकरण के सीधे सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी। वहीं दूसरी तरफ, अगर टीम इंडिया को यूएई के खिलाफ हार मिलती है, तो टूर्नामेंट में उनका सफर यहीं समाप्त हो जाएगा। ऐसे में यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए वर्चुअल नॉकआउट और करो या मरो वाला साबित होने जा रहा है।



पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने काफी निराश किया था, लेकिन अब यूएई के खिलाफ स्टार बल्लेबाजों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग से टीम को एक आक्रामक शुरूआत की उम्मीद होगी। वहीं, कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी को आगे से नेतृत्व करते हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। मध्यक्रम और आखिरी ओवरों में विकेटकीपर अन्वय द्रविड़ की विस्फोटक बल्लेबाजी टीम के लिए अहम साबित होगी। इसके अलावा, पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक जड़ने वाले अर्जुन राजपूत पर फैंस और टीम मैनेजमेंट की निगाहें टिकी रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

कबाड़ से लदा ट्रक बेकाबू, 3 गाड़ियों को टक्कर मारने के बाद मचाई तबाही



सोलन: जिला सोलन के रबौण में मंगलवार तडके करीब साढ़े तीन से चार बजे के बीच नेशनल हाईवे-5 पर प्लास्टिक कबाड़ से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में सडक किनारे खड़ी तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। ट्रक की चपेट में आने से बिजली का खंभा, केबल की तारें और राधा स्वामी सत्संग का बोर्ड भी टूट गया। हादसे में एक कुत्ते की मौत हो गई। ट्रक नारकंडा की ओर से कालका जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

मणिपुर में नहीं होगी जनगणना, हाई कोर्ट ने अप्रैल 2027 तक लगाई रोक, सामने आई बड़ी वजह



एजेंसी/ इम्फाल: जातीय हिंसा और बड़े पैमाने पर हुए विस्थापन के बीच मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य में होने वाली जनगणना-2027 की प्रक्रिया पर 30 अप्रैल, 2027 तक रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस एम सुंदर की अध्यक्षता वाली बैंच ने आदेश जारी करते हुए केंद्र सरकार और रजिस्ट्रार जनरल एंड सेंसस कमिश्नर ऑफ इंडिया को निर्देश दिया है कि वे जनगणना से पहले उठाई गई तमाम आपत्तियों और आवेदनों पर विचार कर 30 अप्रैल, 2027 तक अंतिम फैसला सुनाएं।

अब केंद्र सरकार को 2027 की जनगणना शुरू करने से पहले मणिपुर की जमीनी हकीकत, शरणार्थियों की स्थिति और विवादित दावों पर स्थिति साफ करनी होगी। बता दें कि कांइलेपाक स्टूडेंट्स एसोसिएशन, इंटरनेशनल पीस एंड सोशल एडवांसमेंट और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। याचिकाओं में हिंसा के कारण राज्य की जनसांख्यिकी में आए बदलावों और विस्थापन का हवाला देते हुए गंभीर चिंताएं जताई गई हैं। हिंसा के कारण हजारों घर तबाह हो चुके हैं, लोग अपने मूल गांवों को छोडकर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं और कई रास्ते बंद हैं।

सरकारी कर्मचारी 48 घंटे से ज्यादा जेल में रहे, तो अपने आप सस्पेंड, पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बैंच ने यह बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। आरोपी विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाई कोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई।

बैंच ने आदेश में कहा कि एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वतः निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। बैंच ने उम्मीद जताई कि राज्य इस मामले में कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगा।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण और उनकी ने किया तलाक का ऐलान, बोले- हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे

अमरावती : आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने अपनी तीसरी पत्नी ऐना कोनिडाला से औपचारिक रूप से अलग होने (तलाक) की घोषणा कर दी है। एक लंबा वैवाहिक जीवन साथ बिताने के बाद दोनों ने आपसी समझ और परस्पर सम्मान के साथ अपनी राहें जुदा करने का फैसला लिया है। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इस संबंध में एक आधिकारिक संयुक्त बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की गई है। पवन कल्याण के निजी जीवन में यह तीसरा मौका है जब उनका वैवाहिक रिश्ता तलाक के मोड़ पर पहुंचा है।

शादी भले खत्म, बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता बने रहेंगे: संयुक्त बयान : डिप्टी सीएम पवन कल्याण के कार्यालय द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि जीवन का एक बेहद अहम और खूबसूरत हिस्सा साथ गुजारने के बाद उन्होंने आपसी सहमति और सम्मानपूर्वक अलग होने का निर्णय लिया है। बयान में स्पष्ट किया गया कि वैवाहिक बंधन समाप्त होने के बावजूद वे भविष्य में भी अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। दोनों ने जोर देकर कहा कि उनके बच्चों की खुशी, मानसिक शांति और उज्ज्वल भविष्य हमेशा उनकी साझा और सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। 2013 में हुई थी रूसी मूल की ऐना से शादी, पहले भी दो बार हो चुका है अलगावः पवन कल्याण के वैवाहिक इतिहास पर नजर डालें तो उनकी पहली शादी वर्ष 1997 में नंदिनी के साथ हुई थी, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय नहीं चल सका और दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद साल 2009 में उन्होंने मशहूर अभिनेत्री व मॉडल रेणु देसाई के साथ शादी की थी। हालांकि, यह शादी भी महज तीन साल बाद 2012 में तलाक पर खत्म हुई; इस शादी से उनके दो बच्चे अकीरा नंदन और आध्या हैं। इसके बाद वर्ष 2013 में पवन कल्याण ने रूस की रहने वाली ऐना कोनिडाला से तीसरा विवाह किया था। पवन कल्याण और ऐना के दो बच्चे हैं, जिनका नाम पोलिना अंजना पवनोवा और मार्क शंकर पवनोविच है। निजी जीवन के इस नाजुक मोड़ पर प्राइवेसी का सम्मान करने की अपीलः अपने इस अप्रत्याशित और भावुक निर्णय को सार्वजनिक करते हुए दोनों ने मीडिया, प्रशंसकों और शुभचिंतकों से उनके निजी जीवन की सीमाओं और निजता (प्राइवेसी) का सम्मान करने की भावुक अपील की है।

कच्चे तेल में 2020 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट, क्या भारत में सस्ते होंगे पेट्रोल-डीजल

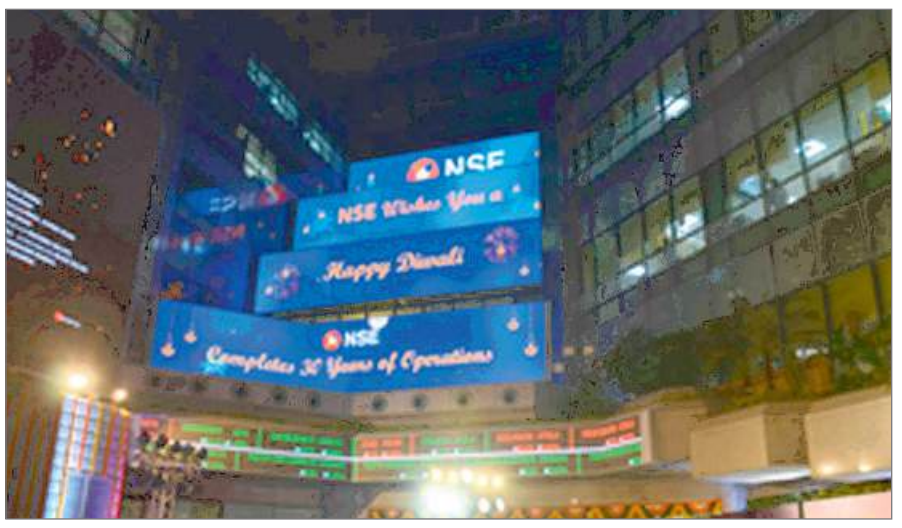


नई दिल्ली: कच्चे तेल की कीमतों में 2020 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट आई है। पिछले हफ्ते ये 16 फीसदी से ज्यादा गिरकर 98 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इसके बाद से उम्मीद लगाई जा रही है कि तेल कंपनियां इस गिरावट का फायदा आम ग्राहकों तक पहुंचाएंगी और भारत में पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे। बता दें कि अक्तूबर के अंत में तेल की कीमतें छह महीने के उच्चतम स्तर 114 डालर पर पहुंच गई थीं, जहां से अब इनमें राहत देखी जा रही है। सोमवार को भी कच्चे तेल की कीमतें मामूली गिरावट के साथ 97 डालर प्रति बैरल के करीब ट्रेड कर रही थीं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, अमरीकी मिडटर्म चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी की हार के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि मिडल ईस्ट में सैन्य संघर्ष बहुत ज्यादा नहीं बढ़ेगा।

कूटनीतिक समाधान की बढ़ती उम्मीदों ने कीमतों को नीचे लाने में मदद की है। हालांकि, अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। बता दें कि भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 85 फीसदी कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसलिए इसके दाम घटने या बढ़ने का असर देश की इकोनॉमी पर पड़ता है। जब वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होता है, तो भारत को इसे खरीदने के लिए ज्यादा डालर चुकाने पड़ते हैं। इससे देश का आयात बिल और चालू खाता घाटा बढ़ जाता है। क्रूड अगर बहुत ज्यादा महंगा हो जाए और लंबे समय तक महंगा ही बना रहे, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा देती हैं।

क्रूड की कीमतों का भारत पर सीधा असरः भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 85 फीसदी कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसलिए इसके दाम घटने या बढ़ने का असर देश की इकोनॉमी पर पड़ता है। जब कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो भारत के लिए तेल आयात करना सस्ता हो जाता है। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होती है और सरकार पर वित्तीय दबाव कम होता है। तेल कंपनियों की लागत घटने से ईंधन की कीमतें कम हो सकती हैं। हालांकि घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल के दाम तुरंत कम होना इस बात पर निर्भर करता है कि सरकारी तेल कंपनियां पिछला घाटा पूरा कर चुकी हैं या नहीं। हालांकि, अगर ब्रेंट क्रूड लंबे समय तक 95-98 डालर के दायरे में या उससे नीचे रहता है, तो तेल कंपनियों का रिफाइनिंग मार्जिन सुधरेगा। इससे आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतों में दो से चार रुपए प्रति लीटर तक की कटौती का रास्ता साफ हो सकता है।

दीपावली बलिप्रतिपदा के चलते आज शेयर बाजार बंद, एनएसई और बीईएस पर नहीं होगी ट्रेडिंग



मुंबई: भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को दीपावली बलिप्रतिपदा के छट्टी के कारण बंद रहेगा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक्स एक्सचेंज (बीएसई) पर कारोबार पूरी तरह से बंद रहेगा।

दोनों एक्सचेंजों पर इक्विटी के साथ-साथ इक्विटी डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में भी कारोबार बंद रहेगा।

दीपावली बलिप्रतिपदा की छुट्टी मुहूर्त और सोमवार के ट्रेडिंग सत्र के बाद पड़ रही है। इसके बाद 24 नवंबर को प्रकाश गुरुपर्व श्री गुरु नानक देव के अवसर पर 24 नवंबर को और क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को छुट्टी रहेगी।

सोमवार को सेंसेक्स 107.25 अंक या 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,106.65 और निफ्टी 58.25 अंक या 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,044.65 पर बंद हुआ।

कारोबारी सत्र में बाजार को ऊपर खींचने का काम बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 1.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। साथ ही, निफ्टी पीएसयू बैंक 3.73 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 1.65 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 1.33 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.92 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 0.77 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.75 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.74 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी आईटी -1.22 प्रतिशत, निफ्टी मेटल -0.46 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी -0.15 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज -0.13 प्रतिशत और निफ्टी सर्विसेज -0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 334.40 अंक या 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,022.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 18.65 अंक या 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,185.05 पर था।

जानकारों ने कहा कि एफआईआई की बढ़ती भागीदारी और उम्मीद से बेहतर कॉर्पोरेट नतीजों ने वित्त वर्ष 27 के कमाई के अनुमान में सुधार की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे बाजार की धारणा को समर्थन मिला है।

81 साल की उम्र में ब्रिटिश लेखक एम जॉन हैरिसन ने जीता बुकर प्राइज, बने सबसे उम्रदराज विजेता



लंदन : ब्रिटेन के जाने-माने वरिष्ठ लेखक एम जॉन हैरिसन को उनके बहुचर्चित उपन्यास द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 81 वर्ष की उम्र में साहित्य का यह शीर्ष सम्मान अपने नाम कर हैरिसन ने वैश्विक स्तर पर नया इतिहास रच दिया है। इसके साथ ही वह बुकर पुरस्कार जीतने वाले अब तक के सबसे उम्रदराज लेखक बन गए हैं। सोमवार देर रात लंदन के ओल्ड बिलिंग्सगेट में आयोजित एक भव्य समारोह में उनके नाम की आधिकारिक घोषणा की गई। पुरस्कार के रूप में उन्हें 50,000 पाउंड (करीब 62 लाख रुपये) की नकद राशि प्रदान की गई।

पांच दिग्गज लेखकों को पीछे छोड़ सर्वसम्मति से बने विजेता, साइंस फिक्शन में रचा नया इतिहास

मशहूर इतिहासकार और क्लासिसिस्ट मैरी बियर्ड की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल (जूरी) ने शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य पांच दिग्गज लेखकों की कृतियों पर विचार करने के बाद सर्वसम्मति से हैरिसन की रचना को सर्वश्रेष्ठ चुना। साहित्यिक जगत में यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि हैरिसन स्थापित साइंस फिक्शन (विज्ञान कथा) समुदाय से आकर मुख्यधारा का बुकर पुरस्कार जीतने वाले पहले लेखक बन गए हैं। जूरी ने उनके 198 पृष्ठों के उपन्यास को तबाही के बाद के ब्रिटेन पर आधारित एक बेहद धारदार, सटीक और व्यंग्यात्मक रचना करार दिया है।

कनाडाई लेखिका मार्गरेट एटवुड का रिकॉर्ड टूटा, छह दशकों के लेखन का मिला फलः एम जॉन हैरिसन ने बुकर पुरस्कार के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में विजेता बनने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो कनाडाई लेखिका मार्गरेट एटवुड के नाम दर्ज था। वर्ष 2019 में जब एटवुड को उनके उपन्यास द टेस्टामेंट्स के लिए ब्रिटिश लेखिका बर्नाडिन एवरिस्टो (गर्ल, वुमन, अदर) के साथ संयुक्त रूप से बुकर मिला था, तब उनकी उम्र 79 वर्ष थी। करीब छह दशकों से साहित्य साधना में लीन हैरिसन के साहित्यिक सफर में यह उनका 13वां उपन्यास है, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च मान्यता दिलाई है।

क्या है द एंड ऑफ एवरीथिंग की कहानीःआज के दौर की किन चिंताओं को छूता है उपन्यास

ह्यद एंड ऑफ एवरीथिंग की पृष्ठभूमि इंग्लैंड के केंट तट पर प्रलय के बाद की एक बंजर और वीरान दुनिया में रची गई है। कहानी का मुख्य पात्र फिलिप टेनेन्ट है, जो अपनी बुजुर्ग मौसी मार्नी के साथ समुद्र तट पर बहकर आने वाली पुरानी चीजों को बीनकर अपना जीवन यापन करता है। उसकी नीरस जिंदगी में तब अप्रत्याशित मोड़ आता है जब उसे तट पर एक रहस्यमयी आकृति मिलती है, जो लगातार अपना आकार बदल सकती है। यह घटना ठीक उसी समय घटती है जब इलाके में आईघेटी नाम के अजीबोगरीब जीवों का खौफनाक आगमन शुरू होता है। साइंस फिक्शन, डिस्टोपिया और सटायर का यह अनूठा उपन्यास आज के दौर की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), अनियंत्रित तकनीक, पर्यावरण विनाश और राजनीतिक संकट जैसी गहरी मानवीय चिंताओं पर तीखा कटाक्ष करता है।

माता-पिता का कद छोटा होने पर भी बढ़ सकती है बच्चे की लंबाई, जानें बच्चों को क्या खिलाएं और किन चीजों से रखें दूर



नई दिल्ली: अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता का कद सामान्य या छोटा होने के बावजूद उनके बच्चों की लंबाई काफी अच्छी निकल जाती है। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर इसके बेहतरीन उदाहरण हैं, जो अपने पिताओं के मुकाबले काफी लंबे हैं। स्वास्थ्य और बाल रोग विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों की लंबाई तय करने में लगभग 60 प्रतिशत भूमिका आनुवंशिकी यानी माता-पिता के जीन्स की होती है, जबकि शेष 40 प्रतिशत का सबसे अहम योगदान उनके खानपान, पोषण और जीवनशैली का होता है। सही उम्र में सही पोषण देकर बच्चों की लंबाई को उनके जेनेटिक पोटेंशियल से भी बेहतर किया जा सकता है।

हाइट बढ़ाने के लिए ईंट की तरह काम करता है प्रोटीन, रोजाना 34 ग्राम की जरूरतःबाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) डॉ. हरिओम चौधरी के मुताबिक, बच्चों के समग्र शारीरिक विकास और हड्डियों की लंबाई बढ़ाने के लिए आहार में प्रोटीन सबसे अनिवार्य तत्व है। शरीर की बनावट और हाइट बिल्डिंग में प्रोटीन ठीक उसी तरह कार्य करता है जैसे दीवार खड़ी करने के लिए ईंटें काम करती हैं। बढ़ते बच्चों के शरीर को रोजाना कम से कम 34 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। केवल एक गिलास दूध पिलाने से यह जरूरत पूरी नहीं हो सकती, इसके लिए बच्चों की नियमित डाइट में प्रतिदिन दो अंडे शामिल करने की सलाह दी जाती है। शाकाहारी और मांसाहारी प्राथमिकताओं के आधार पर भोजन में दालें, सोयाबीन, पनीर और चिकन को नियमित रूप से जोड़ना चाहिए।

मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम और विटामिन डी का तालमेल जरूरी: लंबाई बढ़ाने की प्रक्रिया में दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व कैल्शियम और उसके अवशोषण में मदद करने वाला विटामिन डी है। ये दोनों मिलकर हड्डियों के घनत्व को मजबूत करते हैं और उन्हें लंबा होने में मदद पहुंचाते हैं। बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए उन्हें रोजाना कम से कम आधा लीटर दूध देना चाहिए। इसके अलावा आहार में सफेद तिल और रागी जैसी पौष्टिक चीजों को शामिल किया जा सकता है। वहीं, शरीर में प्राकृतिक रूप से विटामिन डी बनाने के लिए बच्चे को सुबह के समय कम से कम 20 मिनट तक हल्की धूप में खेलने या बैठने की आदत डालनी चाहिए।

ग्रोथ हॉर्मोन एक्टिवेट करता है जिंक, बीजों और मेवों से बढ़ेगी भूखः बच्चों की लंबाई को रफ्तार देने के लिए तीसरा अहम घटक जिंक है। जिंक शरीर के भीतर ग्रोथ हॉर्मोन को सक्रिय (ऑन) करने में प्रमुख भूमिका निभाता है, जिससे बच्चों का विकास तेजी से होता है और उनकी भूख भी खुलती है। बच्चों को रोजाना मुट्ठी भर कद्दू के बीज (पंपकिन सीड्स), भुने हुए चने और मूंगफली का सेवन कराना चाहिए। यह प्राकृतिक स्नैक्स बच्चों के मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त रखने के साथ-साथ हार्मोनल बैलेंस को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं।

जंक फूड पर लगाएं लगाम, रोजाना 10 से 12 घंटे की गहरी नींद है अनिवार्यः विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ अच्छा पोषण देना ही काफी नहीं है, बल्कि बच्चों को उन चीजों से बचाना भी जरूरी है जो विकास में बाधा बनती हैं। बढ़ते बच्चों को पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक्स, प्रोसेस्ड पैकेज्ड फूड और अत्यधिक चॉकलेट-कैंडी देने से बचना चाहिए, क्योंकि ये अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीजें हड्डियों के विकास को रोकती हैं। इसके साथ ही बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए गहरी नींद बेहद जरूरी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानव विकास हार्मोन का सबसे अधिक स्राव गहरी नींद के दौरान ही होता है। इसलिए माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चा रोजाना रात में कम से कम 10 से 12 घंटे की निर्बाध और आरामदायक नींद ले।

कन्नौज सड़क हादसा: तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, तीन की मौत और एक गंभीर

कन्नौज: जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया।

थाना क्षेत्र के अगौस गांव निवासी आशीष (24) अपने बड़े भाई मनीष (28) और गांव के ही वेद प्रकाश (50) व विजय (35) के साथ सोमवार देर रात एक ही बाइक से कचाटीपुर गांव स्थित प्लाट से घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार इंदरगढ़-तिर्वा मार्ग पर कचाटीपुर गांव के पास पहुंचे।

घायल राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्तीः तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार विजय, वेद प्रकाश और मनीष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

चालक की तलाश में जुटी पुलिसः यहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया। पुलिस फरार कार और उसके चालक की तलाश में जुटी है। एक ही गांव के तीन लोगों की मौत से अगौस गांव में मातम पसरा हुआ है। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि कार को तलाश किया जा रहा है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

श्रीश्री लक्ष्मी पूजा महोत्सव पर झूमे लोग

हुसैनाबाद (पलामू) : स्थानीय घोड़बंधा गांव में युवा नाट्य क्लब की ओर से आयोजित श्रीश्री लक्ष्मी पूजा महोत्सव में भक्ति व संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। इसका उद्घाटन राजद नेता रवि कुमार यादव, उत्तरी जिला परिषद सदस्य राजू कुमार मेहता वबसमाजसेवी प्रशांत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। भोजपुरी की लोकप्रिय गायिका सोलोनी ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक व आधुनिक भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। जिस पर दर्शक झूमने को विवश हो गए। इस दौरान रवि कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण युवाओं द्वारा इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों से आपसी सौहार्द व भाईचारा मजबूत होता है। जिला परिषद सदस्य राजू कुमार मेहता ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन हमारी लोक संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का काम करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की पहल से आपसी भाईचारा व सामाजिक समरसता मजबूत होती है। युवा नाट्य क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र मेहता, उपाध्यक्ष राज मेहता, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मेहता, अभिनव मेहता, पिंटू राज, अंकुश राज और अशोक मेहता समेत सैकड़ों महिला-पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यू ग्रीन क्लब की काली पूजा में शामिल हुए नप अध्यक्ष सन्नी उरांव



चक्रधरपुर : रेलवे क्षेत्र अंतर्गत आरई कॉलोनी स्थित न्यू ग्रीन क्लब काली मंदिर में आयोजित काली पूजा समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव सपरिवार शामिल हुए। उन्होंने मां काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और शहर की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।
पूजा के बाद आयोजित आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का उन्होंने आनंद लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। सन्नी उरांव ने आयोजन की सराहना करते हुए क्लब के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देने के साथ लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करते हैं।

पलामू में काली पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान दो पक्षों में पथराव

मेदिनीनगर : सदर प्रखंड क्षेत्र के लहलहे पंचायत अंतर्गत सिंदुरिया गांव में काली पूजा की प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया. देखते ही देखते विवाद ने मारपीट और पथराव का रूप ले लिया.घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया. जानकारी के अनुसार प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंदू समुदाय के दो अलग-अलग वर्गों के लोगों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई. देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई. इसके बाद दोनों ओर से पथराव भी किया गया.घटना में प्रशासनिक कर्मियों के भी चोटिल होने की सूचना है.
घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीपीओ राजेश यादव व सतबरवा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे. स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया. फिलहाल घटना के कारणों और घायलों की संख्या को विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है.

पांकी के ढूब में अधेड़ की धारदार हथियार से हत्या, घर में चूल्हे के पास मिला शव

मेदिनीनगर : जिले के पांकी थाना क्षेत्र के ढूब गांव में सोमवार रात एक व्यक्ति की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान गुनी भुइयां (55 वर्ष) के रूप में हुई है.
मिली जानकारी के अनुसार, गुनी भुइयां अपने घर में थे. इसी दौरान लोगों ने उन्हें घर के अंदर चूल्हे के पास खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा. घटना की सूचना मिलने के बाद पांकी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल में जुट गई. फिलहाल हत्या के कारणों और घटना में शामिल लोगों के संबंध में जानकारी सामने नहीं आई है.पुलिस मामले की छानबीन कर रही है. मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजाजा रहा है.

बरकट्ठा में मां काली के दरबार में पहुंचे जानकी यादव, क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना



बरकट्ठा : बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के बरकट्ठा बाजार रोड स्थित काली पूजा पंडाल में वर्षों से मां काली की पूजा-अर्चना भव्य एवं श्रद्धापूर्वक आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव मां काली के पावन दरबार में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मां काली के चरणों में शीश नवाकर समस्त बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्रवासियों एवं राज्यवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उन्नति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि मां काली की कृपा और आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। क्षेत्र में खुशहाली, आपसी प्रेम, भाईचारा और समृद्धि कायम रहे, यही उनकी कामना है। इस अवसर पर पूजा पंडाल में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जिपुवा गांव में ग्राम सभा चुनाव प्रक्रिया पर उठे सवाल

बालूमाथ : प्रखंड क्षेत्र के मुरपा पंचायत अंतर्गत जिपुवा गांव में ग्राम सभा के माध्यम से पदाधिकारियों के चयन एवं बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्राम प्रधान विश्वनाथ यादव पर चुनाव प्रक्रिया में मनमानी एवं निर्धारित नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को लिखित आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच तथा पुनः चुनाव कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, पेसा (ढएएअ) नियमावली के प्रावधानों के तहत ग्राम सभा की प्रक्रिया अपनाते हुए ग्राम प्रधान, सहायक सचिव एवं सक्रिय महिला सदस्य का चयन किया जाना था।

छठ घाटों की तैयारियों का विधायक सुखराम उरांव ने लिया जायजा, समय पर काम पूरा करने का निर्देश



संवाददाता

चक्रधरपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर में तैयारियां जोरों पर हैं। केंद्रीय छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक विधायक सुखराम उरांव मंगलवार को दंदा साई स्थित छठ नदी घाट पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समिति के सदस्यों को सक्रिय रहकर सभी कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।
घाट पर मिट्टी की कटाई कर घाटों का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, सीढ़ी नदी घाट पर साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन का काम भी शुरू हो गया है। वहीं छठ पर्व के दौरान ड्रोन के साथ कई कैमरों के द्वारा घाट की निगरानी की जाएगी। इस वर्ष छठ के अवसर पर आयोजित होने वाली गंगा आरती को लेकर श्रद्धालुओं में कौतूहल का माहौल है।
निरीक्षण के दौरान शेष नारायण लाल, कुमार विवेक, वार्ड पार्षद संजय पासवान, गौतम रवानी, राजेश गुप्ता, चंदन मित्रा, अशोक दास, परमेंद्र चौहान, भरत सिंह, मुकेश सिंह, मनोज प्रजापति, अभय साव और सूरज यादव समेत समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

देव नदी में गंदगी का अंबार, छठ महापर्व नजदीक फिर भी सफाई शुरू नहीं



चंदवा : चंदवा प्रखंड के प्रसिद्ध देव नदी दामोदर तट पर छठ महापर्व को लेकर अब तक साफ-सफाई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। नदी तट और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह कचरा जमा रहने से छठ घाटों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। छठ महापर्व नजदीक होने के बावजूद घाटों की सफाई शुरू नहीं होने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। ऐसे में नदी तट की बदहाल स्थिति लोगों की चिंता बढ़ा रही है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि छठ पूजा से पहले घाटों की समुचित सफाई, कचरे का उठाव, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के इंतजाम किए जाने चाहिए। इसके बावजूद अब तक सफाई कार्य शुरू नहीं होना जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है।
लोगों ने प्रखंड प्रशासन और संबंधित छठ पूजा समितियों से अविलंब पहल कर देव नदी दामोदर तट की साफ-सफाई शुरू कराने की मांग की है, ताकि छठव्रतियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना करने की सुविधा मिल सके।

स्टेशन परिसर स्थित मां काली मंदिर में हुई विशेष पूजा-अर्चना

झुमरी तिलैया : दीपावली के पावन अवसर पर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित मां काली मंदिर में काली मंदिर समिति की ओर से मां काली की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी पंडित विजयकांत उपाध्याय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा एवं हवन संपन्न कराई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां काली के चरणों में मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच भव्य प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।
वहीं, भक्ति और भजन की इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आगामी 10 नवंबर को काली मंदिर समिति एवं श्याम सेवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में श्याम बाबा का भव्य कीर्तन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत संध्या 7 बजे से होगी। इसमें रांची से आमंत्रित प्रसिद्ध भजन गायक तत्सा गुप्ता एवं धीरज पाण्डेय अपने सुमधुर भजनों से श्याम प्रभु की महिमा का गुणगान करेंगे। आयोजन के दौरान भव्य भंडारे की भी व्यवस्था की गई है। समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं को भजन संध्या एवं प्रसाद ग्रहण करने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है। श्याम सेवा मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार ने कहा कि श्याम बाबा का कीर्तन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भक्तों को भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ने का माध्यम है। हमारा प्रयास है कि शहर के अधिक से अधिक श्रद्धालु इस भजन संध्या में शामिल होकर श्याम प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें। रांची से आ रहे भजन गायक धीरज पाण्डेय की प्रस्तुति इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी।
काली मंदिर समिति के प्रमोद कुमार ने कहा कि मां काली की पूजा-अर्चना के बाद श्याम बाबा के भव्य कीर्तन का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अवसर है। समिति की ओर से कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने शहरवासियों एवं आसपास के क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार पहुंचकर भजन संध्या में शामिल होने और भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की।

दीपावली पर बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे एसपी, बच्चों के बीच मिठाइयां बांटकर साझा की खुशियां

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



संवाददाता

सिमडेगा : दीपावली के पावन अवसर पर सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक ने बाल संप्रेक्षण गृह का दौरा कर वहां आवासित बच्चों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा कीं। इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच मिठाइयां वितरित कीं और उनसे आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। एसपी की इस पहल से बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।
भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बाल संप्रेक्षण गृह के वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही गृह की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और बच्चों की देखरेख, रहन-सहन एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।
एसपी ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए उनके बीच खेल सामग्री उपलब्ध कराने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन, शिक्षा और अच्छे संस्कारों का विशेष महत्व है। प्रत्येक बच्चे में आगे बढ़ने और अपना भविष्य बेहतर बनाने की क्षमता होती है। इसलिए सभी बच्चे शिक्षा और अच्छे कार्यों के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियाँ मनाने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सद्भावना, आपसी सहयोग और मानवता का संदेश भी देता है। त्योहारों की वास्तविक खुशी जरूरतमंद एवं वंचित लोगों के साथ खुशियाँ साझा करने में है।
इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा, परिचारी प्रवर, पुलिस केंद्र, सिमडेगा सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सिमडेगा पुलिस की इस आत्मीय पहल से बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे बच्चों के बीच अपनापन और सकारात्मकता का भाव देखने को मिला। सिमडेगा पुलिस ने इस पहल के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए जरूरतमंदों के साथ खुशियाँ साझा करने का संदेश दिया।

काली पूजा हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर में काली पूजा हर्षोल्लास उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पोर्टर खोली स्थित माँ भवानी संघ में माँ काली की प्रतिमा भव्य और आकर्षक रूप से बनाया गया है। लोको में माँ काली की पूजा अर्चना की गई। आर ई कॉलोनी स्थित माँ काली मंदिर में मंदिर के पुजारी नील मोहन मुखर्जी के द्वारा विशेष पूजा की गई। आर ई कॉलोनी में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई। मंदिर के बाहर बने हाथी और गोरिल्ला आकर्षण के केंद्र रहे। एकाऊंट कॉलोनी स्थित माँ काली मंदिर में माँ काली की विशेष पूजा अर्चना की गई और श्रद्धालुओं के बीच भोग का वितरण किया गया। डब्लिंग कॉलोनी स्थित माँ काली मंदिर में पूजा अर्चना के साथ भक्ति गीत से श्रोता गण भाव विभोर हो गये। गायक ने शिरडी वाले साईं बाबा भजन और गायिका ने भारत



का बच्चा बच्चा जय श्री राम बोलेगा गाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पोर्टर खोली स्थित माँ काली मंदिर में पुजारी राजू मिश्रा ने विशेष पूजा अर्चना की और श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी सब्जी भोग का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से आशीष जयसवाल भी उपस्थित रहे।

डोमचांच में दो ट्रकों की भीषण टक्कर, एक चालक की दर्दनाक मौत, दूसरा घायल

मलबा हटाकर निकाला गया चालक का शव

करीब एक घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन



संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच स्थित नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर नवादा चौक के समीप सोमवार की रात करीब 10 बजे दो ट्रकों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। लोगों की मदद से एक ट्रक चालक को वाहन से बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया। वहीं, दूसरे ट्रक का चालक बुरी तरह क्षतिग्रस्त वाहन के मलबे में फंस गया था। उसे निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद खउइ की मदद से मलबा हटाकर चालक को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस वाहन से उसे सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सोनू कुमार, पिता सविता तिवारी, ग्राम डुमरी, नसरगंज, थाना सतगावां, जिला कोडरमा के रूप में हुई है। हादसे के बाद सड़क पर दोनों ट्रकों के पड़े रहने से आवागमन बाधित हो गया। पुलिस रातभर मौके पर तैनात रहकर वाहनों को बारी-बारी से पार कराती रही। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार को हादसे का संभावित कारण बताया जा रहा है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

दीपावली पर बालगृह और वृद्धाश्रम में अधिकारियों ने बांटी खुशियां

बच्चों व बुजुर्गों को मिले उपहार

पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, विजेताओं को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित



संवाददाता

लातेहार : दीपावली के पावन अवसर पर जिला प्रशासन एवं न्यायिक पदाधिकारियों ने बालगृह और वृद्धाश्रम पहुंचकर बच्चों एवं बुजुर्गों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान अधिकारियों ने मिठाइयां, उपहार, मोमबत्तियां, दीये, रंगोली सेट और कंबल वितरित किए। साथ ही बच्चों के लिए पेंटिंग तथा बुजुर्गों के लिए रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन रोज बालगृह धर्मपुर और ओल्ड एज होम करकट में किया गया।
कार्यक्रम में प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील दत्त द्विवेदी, उपायुक्त संदीप कुमार, सीजेएम विक्रम आनंद, एसीजेएम सह प्रभारी सचिव डीएलएसए कुमारी जीव तथा प्रभारी न्यायाधीश सह एसडीजेएम प्रणव कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। अधिकारियों ने बच्चों और बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उनके साथ दीपावली मनाई।
पेंटिंग प्रतियोगिता में राजवीर ने मारी बाजी
बालगृह में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में राजवीर कुमार ने प्रथम, पीयूष उरांव ने द्वितीय और विकास उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को न्यायिक पदाधिकारियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं वृद्धाश्रम में बुजुर्गों ने रंगोली प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।
वंचितों के साथ खुशियां बांटना सामाजिक जिम्मेदारी : द्विवेदी
प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील दत्त द्विवेदी ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब समाज के हर वर्ग तक उसका उल्लास पहुंचे। बच्चों और बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाना उनके प्रति सम्मान, स्नेह और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
वहीं उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने और दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने का संदेश देती है। जरूरतमंद और उपेक्षित लोगों को त्योहार की खुशियों में शामिल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। सीजेएम विक्रम आनंद ने कहा कि बच्चों को स्नेह और बेहतर भविष्य देना तथा बुजुर्गों को सम्मान और अपनापन देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं एसीजेएम कुमारी जीव ने कहा कि त्योहार की सार्थकता दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने से है। मौके पर प्रशासनिक एवं न्यायिक क्षेत्र के अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।